epaper.dehatsandesh.com

3 सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

5 बेन कर्नन का शतक, जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 9 विकेट से हराया

8 महाकुम्भ: नेपाल के 50 लाख लोगों ने किया पवित्र स्नान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 12 — अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-48 | जम्मू तवी, वीरवार 20 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

रक्षा उद्योग और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढायेंगे भारत और मलेशिया

नयी दिल्ली 19 फरवरी। भारत और मलेशिया ने रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, बहुपक्षीय संपर्क और नये क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है।

मलेशिया-भारत रक्षा सहयोग समिति की 13वीं बैठक मंगलवार को कुआलालंपुर में हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मलेशिया के रक्षा मंत्रालय के महासचिव लोकमान हकीम बिन अली ने की

दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में दोनों सशस्त्र बलों के बीच नियमित संपर्क के साथ बढ़ते द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों को बढ़ाने के लिए प्रभावी और व्यावहारिक पहलों पर व्यापक चर्चा की। दोनों अध्यक्षों ने साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए कदमों की पहचान की। उन्होंने विशेष रूप से रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा और बहुपक्षीय संपर्क के क्षेत्र में मौजूदा सहयोग को प्रगाढ करने के तरीकों की पहचान की। वे गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए एक संयुक्त फोकस समूह बनाने पर भी सहमत हुए।

दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रक्षा स्तंभ के तहत नई पहलों को पूरी तरह से लागू करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष दातो सेरी अनवर इब्राहिम की पिछले वर्ष हुई बैठक में बनी सहमति के अनुरूप होगा। भारत और मलेशिया ने रणनीतिक मामलों के कार्य समूह की स्थापना पर अंतिम रूप से संदर्भ की शर्तों का भी आदान-प्रदान किया। यह मंच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए मिडकॉम और दो उप-समितियों के बीच एक परामर्श तंत्र के रूप में कार्य करेगा।

दोनों पक्षों ने मिडकॉम के परिणामस्वरूप सुखोई-30 फोरम की स्थापना पर अंतिम रूप से शर्तों का भी आदान-प्रदान किया। यह फोरम लड़ाकू विमान के रखरखाव में विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान में दोनों वायु सेनाओं के बीच घनिष्ठ सहयोग को सक्षम करेगा।

रक्षा सचिव ने भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता, विशेष रूप से मलेशियाई कंपनियों और सशस्त्र बलों के साथ उनकी क्षमता वृद्धि और आधुनिकीकरण में सहयोग करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मलेशिया को आसियान और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस की अध्यक्षता संभालने पर बधाई दी और इस वर्ष एडीएमएम प्लस और आसियान रक्षा वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के आयोजन के लिए मलेशिया के रक्षा मंत्रालय को शुभकामनाएं दीं।

भारत आसियान के महत्व और सदस्यों की एकजुटता का समर्थन करता है, जो भारत के हिन्द प्रशांत विजन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। रक्षा सचिव ने मजबूत, एकीकृत और समृद्ध आसियान को बढ़ावा देने में आसियान अध्यक्ष के रूप में मलेशिया के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया, जो हिन्द प्रशांत क्षेत्र की उभरती गतिशीलता को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

देश की प्रगति के लिए गांवों का विकास जरूरीः शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 19 फरवरी । केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) की कार्यकारी समिति के 77वें सत्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए क

हा कि भारत विश्व बंधुत्व में विश्वास करने वाला देश है। हम सभी प्राणियों में सद्भाव एवं विश्व कल्याण की भावना रखते हैं। भारत वसुधैव कुटुम्ब कम में विश्वास करता है, यह हमें अपने घरों व अपने समुदाय, अपने देशों, अपने ब्रह्मांड से दूर जाने और पूरे ब्रह्मांड को एक परिवार के रूप में मानने के लिए कहता है। हमारे ऋषियों ने भी कहा है कि केवल हम ही नहीं बल्कि सब सुखी, निरोग व सबका मंगल हो और सबका कल्याण हो, इसी भाव को मोदी सरकार अपनी धरती पर उतारने की कोशिश कर रही है।

ललित होटल में आयोजित सत्र में चौहान ने कहा कि दुनिया का बहुत बड़ा हिस्सा अभी भी गांवों में बसता है। भारत में भी बहुत बड़ा हिस्सा गांवों में ही बसता है। जब तक गांवों की प्रगति नहीं होगी तब तक किसी भी देश की प्रगति नहीं हो सकती। कार्यकारी समिति की बैठक का 77वां सत्र निश्चित रूप से आगामी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के लिए आधार बनेगा, जब एएआरडीओ अपने विविध कार्यक्रमों का विश्लेषण करेगा। एक और महत्वाकांक्षी त्रिवर्षीय अवधि 2025-2027 पर विचार करेगा जिसमें एएआरडीओ के कार्यनीतिक ढांचे का व्यापक मध्यावधि मूल्यांकन और समीक्षा शामिल होगी।

चौहान ने बताया कि लखपति दीदी पहल ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से

सशक्त बनाकर उनके उत्थान के लिए हमारी सरकार के प्रयासों की आधारशिला है।

इस पहल के तहत हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वयं सहायता समूहों की दीदीयां स्थायी आजीविका के माध्यम से प्रति वर्ष कम से कम एक लाख रुपये कमाएं। हमारी सरकार ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष य रखा है जिसमें से अब तक 1.15 करोड़ लखपति दीदी बन चुकी है।

हमारी लखपति दीदीयां, सिर्फ आय ही नहीं कमा रही हैं, वे अपने परिवारों और समुदायों की प्रगति में प्रभावी भूमिका भी निभा रही हैं। वे दूसरों के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाने वाली आदर्श बन गई हैं। विभिन्न जिलों में हजारों महिलाएं अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं तथा कृषि, डेयरी फार्मिंग, उद्यमशीलता तथा अन्य संबद्ध गतिविधियों से नियमित आय अर्जित कर रही हैं।

महाकुंभ में तीन लाख करोड़ के कारोबार का अनुमान : कैट

नई दिल्ली 19 फरवरी। खुदरा कारोबारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि तीर्थ नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित महाकुंभ के दौरान 45 दिनों में लगभग 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद है, जिससे तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के माल तथा सेवाओं के ज़रिए बड़े कारोबार के होने का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली के चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा की विश्व के इस सबसे बड़े मानव समागम ने यह स्थापित कर दिया है कि आस्था में अर्थव्यवस्था का भी समावेश होता है और भारत में सनातन अर्थव्यवस्था की जड़ें काफ़ी मजबूत है जो देश की मुख्य अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा भी है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि महाकुंभ प्रारम्भ होने से पूर्व एक अनुमान के अनुसार महाकुंभ में 40 करोड़ लोगों के आगमन के आने की संभावना के साथ लगभग दो लाख करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान था लेकिन पूरे देश में महाकुंभ को लेकर लोगों के अभूतपूर्व उत्साह के कारण उम्मीद की जा रही है कि 26 फरवरी तक लगभग 60 करोड़ लोग महाकुंभ में आयेंगे जिससे लगभग तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के बड़े व्यापार होने की संभावना है।

चोरी के कई मामलों में आरोपित की स्वास्थ्य केंद्र में मौत

जम्मू, 19 फरवरी । जम्मू संभाग के रामबन जिले में चोरी के कई मामलों में संलिप्तता के आरोप में पुलिस द्वारा उठाए गए 27 वर्षीय एक व्यक्ति की हिरासत में बीमार पड़ने के बाद स्वास्थ्य केंद्र में मौत हो गई।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बटोत के थोपल गांव के निवासी मोहम्मद आबिद की मौत के बाद रामबन के जिला मजिस्ट्रेट बसीर-उल-हक चौधरी ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। जांच एक सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि आबिद नशे का आदी बताया जा रहा है। उसे कुछ दिन पहले पुलिस ने उठाया था। उसने मंगलवार को लॉकअप में बेचैनी की शिकायत की। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), बटोत में ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मृतक का शव स्वास्थ्य केंद्र में रखा हुआ है और पोस्टमार्टम तथा अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए उसके परिवार को सौंप दिया जाएगा।

जिला मजिस्ट्रेट ने उप-विभागीय मजिस्ट्रेट रिजवान असगर को जांच अधिकारी नियुक्त किया है ताकि आबिद की मौत के मामले की अलग से जांच की जा सके। चौधरी ने मंगलवार शाम को जारी आदेश में कहा कि जांच अधिकारी व्यक्ति की मौत के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेंगे और इसके लिए जिम्मेदारी तय करेंगे। वह इस आदेश के जारी होने की तारीख से एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे

9.8 ग्राम हेरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कठुआ 19 फरवरी। नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना के समग्र पर्यवेक्षण के तहत पुलिस पोस्ट हटली की पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में लगभग 9.8 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर 01 महिला नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एक विश्वसनीय स्रोत के माध्यम से प्राप्त खुफिया इनपुट पर कार्रवाई करते हुए डीएसपी मुख्यालय कठुआ मंजीत सिंह और एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ इंस्पेक्टर संदीप चिब के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस पोस्ट हटली पीएसआई शुभम महाजन के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में एक विशेष नाका चेकिंग के दौरान एक महिला ज्योति देवी पत्नी राहुल कुमार निवासी चक द्रब खान कठुआ को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उसके पास 9.8 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। इस संबंध में पुलिस थाना कठुआ में एफआईआर संख्या 82/2025 यू/एस 8/21/22एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है जबकि आगे की जांच जारी है।

पत्रकार की मोटरसाइकिल ले भागे भू माफिया

जम्मू, 19 फ़रवरी । सांबा में अवैध खनंन एक बड़ा मुद्दा है। जिला प्रशासन के नाक के तले यह भू माफिया लगातार पहाड़ो को छलनी कर रहे हैं। जिला सांबा में जब भी कोई नया जिला अधिकारी आता है तो अवैध खनंन को लेकर बड़ी-बड़ी बैठके की जाती हैं। सख्त कार्रवाई करने की बात की जाती है। उसके बावजूद भी ये भू माफिया गैंग इतना सक्रिय है कि उनके सामने अगर हम यू कहे कि प्रशासन भी फेल हो गया है तो यह कहना गलत नहीं होगा।

ताजा मामला नौनाथ पंचायत का है। जहां पर पिछले तीन दिनों से लगातार अवैध खनंन चल रहा है और ऊंचे ऊंचे पहाड़ों को छलनी किया जा रहा है।

'जम्मू और कश्मीर घरेलू पर्यटकों के लिए भारत का प्रमुख गंतव्य है': उमर

नई दिल्ली 19 फ़रवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोगों से जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है और यह साल भर चलने वाला गंतव्य है। उन्होंने ये टिप्पणी यशोभूमि, नई दिल्ली में एसएटीटीई (दक्षिण एशिया के यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि थे, ने कहा: चाहे आप तीर्थयात्रा या धार्मिक पर्यटन की तलाश में हों, चाहे आप शादी या सगाई के लिए गंतव्य की तलाश में हों, चाहे आप बस एक इंस्टाग्राम या टिकटॉक प्रभावक बनना चाहते हों, या

आप साहसिक पर्यटन के लिए जाना चाहते हों, या बस एक किताब के साथ बैठकर सुंदर और प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेना चाहते हों, जम्मू और कश्मीर में आपके लिए सब कुछ है। जम्मू और कश्मीर एसएटीटीई 2025 में भाग ले रहा है, जो जम्मू-कश्मीर के लुभावने परिदृश्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का प्रदर्शन कर रहा है। इस वर्ष का एसएटीटीई कार्यक्रम 2,000 से अधिक प्रदर्शकों की मेजबानी करेगा और दुनिया भर से 40,000 से अधिक आगंतुकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय और राज्य पर्यटन बोर्डों के साथ-साथ यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योगों के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों और पेशेवरों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। कश्मीर में कवि अमीर खुसरो के प्रसिद्ध फ़ारसी दोहे की पृष्ठभूमि के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा: यह 13वीं-14वीं शताब्दी के लाल किले में अंकित है, मूल रूप से कहता है कि अगर धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, वह यहीं है, वह यहीं है, जम्मू और कश्मीर के बारे में बात करते हुए।

डॉ. विवेक जोशी ने चुनाव आयुक्त का संभाला कार्यभार

नयी दिल्ली, 19 फरवरी। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी डॉ. विवेक जोशी ने बुधवार को भारत के चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभाला। डॉ. जोशी 1989 बैच के हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वह हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव और केन्द्र में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अपने लंबे करियर में भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त तथा हरियाणा राज्य में पांचवें राज्य वित्त आयोग के सदस्य सचिव के रूप में भी कार्य किया है। उत्तर प्रदेश के निवासी डॉ जोशी आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियर हैं और उन्होंने आईआईएफटी,

नयी दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्नातकोत्तर तथा ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट, जेनेवा (स्विट्जरलैंड) से अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र में एमए एवं डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में चयन समिति ने सोमवार को बैठक में डॉ. जोशी को चुनाव आयुक्त का सदस्य चुनने के अलावा, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने का निर्णय किया था।

स्वास्थ्य मंत्रीद्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण, शिक्षा विभागों के कामकाज की समीक्षा

श्रीनगर 19 फ़रवरी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इतू ने आज नागरिक सचिवालय में बारामुला जिले में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा विभागों के कामकाज एवं प्रदर्शन की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विधायक उड़ी सजाद अहमद, विधायक वगूरा-क्रीरी इरफान हफीज लोन, विधायक सोपोर इरशाद अहमद कर, विधायक पट्टन जावेद रियाज बेदार, विधायक तंगमर्ग फारूक अहमद शाह, विधायक बारामुला जावेद हसन बेग, जिला विकास आयुक्त बारामुला मिंगा शेरपा, निदेशक समन्वय, नए मेडिकल कॉलेज, कॉलेजों के अलावा स्वास्थ्य, समाज कल्याण और स्कूल शिक्षा विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशक एसकेआईएमएस, सौरा, प्रिंसिपल जीएमसी, बारामुला, सीएमओ, बारामुला और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जिले भर के अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा करते हुए, सकीना इतू ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, पर्याप्त चिकित्सा कर्मचारियों को सुनिश्चित करने और रोगी देखभाल को बढ़ाने के लिए चल रही परियोजनाओं पर काम में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया।

कृषि मंत्री ने मदर ब्लॉक का उद्घाटन किया, बागवानी फल संयंत्र नर्सरी में वृक्षारोपण अभियान शुरु करवाया

बांदीपोरा 19 फ़रवरी। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जावीद अहमद डार ने मदर ब्लॉक का उद्घाटन किया और बागवानी फल संयंत्र नर्सरी बांदीपोरा में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की।

मंत्री के साथ बांदीपोरा के विधायक निज़ामुद्दीन भट्ट, गुरेज के विधायक नजीर अहमद खान गुरेजी, बांदीपोरा के उपायुक्त, बागवानी निदेशक कश्मीर और मुख्य बागवानी अधिकारी बांदीपोरा भी थे।

इस अवसर पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र को प्रगति और समृद्धि की ओर ले जाने के लिए कृषि उन्नति अपरिहार्य हो गई है। इसलिए वैज्ञानिक और तकनीकी अभिविन्यास के साथ आधुनिक पैटर्न पर कृषि पद्धतियों और गतिविधियों को बढ़ावा देने, प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए कृषि क्षेत्र को अधिक जीवंत, उत्पादक बनाना एक आवश्यकता के साथ-साथ हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी भी है।

जावेद डार ने कहा कि बागवानी क्षेत्र में उच्च घनत्व खेती की शुरुआत के बाद, स्थानीय स्तर पर आयातित फल संयंत्र सामग्री के बराबर गुणवत्ता वाले फल संयंत्र सामग्री का प्रचार करना अनिवार्य हो गया है।

राजौरी में संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद सेना ने की गोलीबारी

राजौरी, 19 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी इलाके में नियंत्रण रेखा पर तैनात सेना के जवानों ने एक अग्रिम स्थान पर संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास एक अग्रिम स्थान पर तैनात सेना के जवानों ने आज सुबह संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध गतिविधि को देखने के तुरंत बाद सैनिकों ने कुछ समय के लिए क्षेत्र में गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि इस गोलीबारी के तुरंत बाद पूरे इलाके की घेराबंदी करके तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री, आज लेंगी शपथ

नई दिल्ली, 19 फ़रवरी। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री पद को लेकर संशय आज खत्म हो गया। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आज शाम पार्टी के दिल्ली प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री पद के लिए शालीमार बाग की विधायक रेखा गुप्ता के नाम का ऐलान किया गया। रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी।वह कुछ देर में दिल्ली के उपराज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगी। वह 20 फरवरी को दिल्ली के रामलीला मैदान में पद व गोपनीयता की शपथ लेंगी।

दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में आज शाम आयोजित विधायक दल की बैठक में नई दिल्ली से विधायक प्रवेश वर्मा और रोहिणी से विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने रेखा गुप्ता के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी ने ध्वनिमत से समर्थन किया। इससे पहले शाम सात बजे जब विधायक दल की बैठक शुरू हुई तो भी शालीमार बाग से विधायक चुनी गई रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। क्योंकि देश में जिन भी राज्यों में अभी भाजपा सरकारें हैं, वहां कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं है। बुधवार को विधायक दल की बैठक के लिए जब रेखा गुप्ता आईं तो मीडिया के सामने भी जीत का निशान (विक्ट्री साइन) दिखा कर सभी का अभिवादन स्वीकार कर रही थीं।

रेखा गुप्ता वैश य समुदाय से आती हैं, जो दिल्ली में अच्छी खासी संख्या में है। वैश्य समुदाय को भाजपा का कोर वोटर माना जाता है। रेखा गुप्ता दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। 50 वर्षीय रेखा गुप्ता दक्षिण दिल्ली नगर निगम की मेयर भी रह चुकी हैं।

रेखा गुप्ता की पढ़ाई की बात करें तो उन्होंने एलएलबी की शिक्षा ग्रहण की है। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद जिले के जुलाना उपमंडल के नंदगढ़ गांव में 1974 में हुआ था।

नकदी के साथ पकड़े गए कश्मीरी युवकों को लखनपुर पुलिस ने किया रिहा, आयकर विभाग जांच में जुटा

कठुआ 19 फरवरी । बीते मंगलवार को लखनपुर पुलिस ने रूटीन चेकिंग के दौरान दिल्ली से कश्मीर की तरफ आ रही एक गाड़ी से 3 करोड़ 36 लाख रुपए नकदी के साथ दो कश्मीरी युवकों को गिरफ्तार था। जिन्हें बुधवार को रिहा कर दिया गया है।

जबकि केंद्रीय जांच एजेंसियां मुख्य तौर पर आयकर विभाग जांच में जुट गई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लखनपुर में जो कश्मीरी युवक नकदी के साथ पकड़े गए थे उसमें एक सुनहार का काम करता है। उसने कहीं से सोना लाकर किसी व्यापारी को बेचा होगा और उसी की पेमेंट लेकर कश्मीर की तरफ जा रहा था। लेकिन हैरानगी की बात है कि अगर वह सुनाहर का बिजनेस करता है तो फिर अपनी निजी गाड़ी की ड्राइवर सीट के नीचे पैसा छुपाने के लिए कैविटी क्यों बनाई और इससे पहले कितनी बार उसने इस प्रकार सोने की तस्करी की है, ऐसे कई सवाल खड़े हो रहे हैं जिसके लिए केंद्र की विभिन्न जांच एजेंसियां सच निकालने में जुट गए हैं। फिलहाल लखनपुर पुलिस ने दोनों युवकों को गाड़ी सहित रहा कर दिया है और अब इसकी जांच आयकर विभाग करेगा।

मुख्य सचिव ने जनता के साथ पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक प्रोत्साहन-आधारित नीति तैयार करने पर जोर दिया

जम्मू 19 फ़रवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने क्षेत्र की समृद्ध विरासत और जम्मू-कश्मीर की स्थापत्य विरासत के पुनरुद्धार, बहाली, संरक्षण और रखरखाव के प्रयासों का आकलन और तेजी लाने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रमुख विरासत परियोजनाओं पर केंद्रित आईटी विभाग के आयुक्त सचिव, संभागीय आयुक्त कश्मीर/जम्मू, आयुक्त सचिव संस्कृति, सचिव लोक निर्माण विभाग, आयुक्त जेएमसी, निदेशक पुरातत्व एवं अभिलेखागार, मुख्य अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने जनता के पास पड़ी बहुमूल्य पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए प्रोत्साहन आधारित नीति बनाने के संबंध में कई प्रमुख निर्देश जारी किये। मुख्य सचिव ने सार्वजनिक कब्जे में पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक प्रोत्साहन-आधारित नीति तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस विरासत संरक्षण पहल में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटलीकरण के बाद अपनी मूल पांडुलिपियों को वापस करके योगदानकर्ताओं को स्वीकार करने पर जोर दिया। विभिन्न वास्तुकला और विरासत संरक्षण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करने पर पुरातत्व और अभिलेखागार विभाग को जमीन पर दृश्यमान प्रगति सुनिश्चित करते हुए, बहाली के प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया गया। विभाग से परियोजना की समय सीमा को पूरा करने के लिए जारी धन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का भी आग्रह किया गया। जहां तक मुबारक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के सांस्कृतिक पुनरोद्धार का सवाल है, जम्मू के संभागीय आयुक्त को कला, संस्कृति और भाषा अकादमी के सहयोग से सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन करके एमएमएचसी को सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्थान में बदलने का निर्देश दिया गया।

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

➲ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-
रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,
रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात
रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई
भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,
भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली
दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

प्रेरणा का स्त्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्राय: हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवत: कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...

गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है । इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

सामूहिक श्रीराम स्तुति एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति द्वारा सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और युवा पीढ़ी में संस्कारों के संचार के उद्देश्य से गौरीशंकर मंदिर, छन्नी हिम्मत में 卐सामूहिक श्रीराम स्तुति एवं हनुमान चालीसा पाठ卐 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अयोध्या से पधारे विद्वान महेश द्विवेदी जी ने समिति के राष्ट्रीय संयोजक सुनील शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं ने इस आयोजन में भाग लिया।

इस दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने प्रार्थना गाकर माहौल को संगीतमय बना दिया। इसके बाद सामूहिक रूप से श्रीराम स्तुति और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। आरती के पश्चात भगवान को भोग अर्पित किया गया।

राष्ट्रीय संयोजक सुनील शर्मा ने बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से समाज उत्थान के लिए निशुल्क श्रीमद् भागवत गीता वितरण, गंगाजल वितरण, श्रीमद् भागवत कथा और संत सम्मेलन जैसे अनेक धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि समिति का लक्ष्य सभी मंदिरों में इस प्रकार के आयोजनों को बढ़ावा देना है ताकि आने वाली पीढ़ी में भारतीय संस्कृति और संस्कारों की जागरूकता बनी रहे

इस अवसर पर केवल कृष्ण शर्मा, भुवनेश्वरी शर्मा, आयुष्मान शर्मा, संजीव शर्मा, प्रतीक कुमार, दीपक शर्मा, शिवसरन गुप्ता, रोहित वर्मा, विमला गुप्ता, विपिन यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयासों में भारतीय सेना ने गुरसाई पट्टी के सरकारी हाई स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व और सड़कों पर जिम्मेदार व्यवहार के बारे में शिक्षित करना था, ताकि सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। जागरूकता कार्यक्रम में 80 छात्रों और 8 शिक्षकों ने भाग लिया जिसमें राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन द्वारा आयोजित इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे। टीम ने पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और वाहन चालकों के लिए यातायात नियमों और विनियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। बटालियन ने युवा पीढ़ी के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को जिम्मेदार सड़क व्यवहार के बारे में शिक्षित करने से दुर्घटनाओं में काफी कमी आ सकती है।

एसएमवीडीयू के कुलपति ने एसएई बाहा 2025 के लिए इंजीनियरिंग टीम को हरी झंडी दिखाई

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के कुलपति, प्रो. प्रगति कुमार ने हैदराबाद में प्रतिष्ठित एसएई बाहा 2025 प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार 21 इंजीनियरिंग छात्रों की एक टीम को हरी झंडी दिखाई। 20 से 25 फरवरी तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, इंडिया द्वारा आयोजित एक चुनौतीपूर्ण मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता में देश भर के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों की भागीदारी होगी।

एसएमवीडीयू की टीम, कॉलर्स ने अपने तकनीकी कौशल और अभिनव कौशल का प्रदर्शन करते हुए परिसर में एक इलेक्ट्रिक ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) को सफलतापूर्वक डिजाइन और निर्मित किया है। समारोह में बोलते हुए प्रो. प्रगति कुमार ने छात्रों की समर्पण की सराहना की, व्यावहारिक शिक्षा और उद्योग के प्रदर्शन को बढ़ावा देने में ऐसी प्रतियोगिताओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा यह एसएमवीडीयू के लिए गर्व का क्षण है। टीम ने बहुत मेहनत की है और मुझे विश्वास है कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। यह उनके लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक शानदार अवसर है।

संकाय समन्वयक डॉ. अंकुश रैना और डॉ. मीर इरफान उल हक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एसएमवीडीयू प्रतियोगिता में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र टीम है। एटीवी के निर्माण में विश्वविद्यालय की केंद्रीय कार्यशाला के चंदन शर्मा और केवल ने सहयोग किया।

मौलिक कर्तव्यों पर पैनल चर्चा का आयोजन

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। भारतीय संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजकीय डिग्री कॉलेज (जीडीसी) रामगढ़ के समाजशास्त्र विभाग ने कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) गीतांजलि अंदोत्रा ??के मार्गदर्शन में मौलिक कर्तव्यों पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख प्रिया शर्मा के एक ज्ञानवर्धक परिचय से हुई जिन्होंने भारत की संवैधानिक यात्रा और संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय संविधान को लोकतंत्र की आधारशिला के रूप में रेखांकित किया, इसकी प्रमुख विशेषताओं और राष्ट्र निर्माण में मौलिक कर्तव्यों की आवश्यक भूमिका को रेखांकित किया। चर्चा में कई छात्र पैनलिस्ट शामिल थे जिसमें अलीशा मेनिया, अभिसेक भगत, अमित कुमार, कामिनी चिब, तमन्ना अत्री, अरुणा कुमारी, तानिया कुमारी, वंशिका शर्मा, रूही देवी, गुलजार बीबी, नीरू बाला और राहुल कुमार हिस्सा रहे जिन्होंने जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने में मौलिक कर्तव्यों के महत्व पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने समकालीन समाज में इन कर्तव्यों की प्रासंगिकता और संवैधानिक मूल्यों को संरक्षित करने में उनकी भूमिका का पता लगाया।

भाजपा नेता मनमीत सिंह सूदन ने किया रक्तदान, लोगों को दिया जीवन बचाने का संदेश

जम्मू, 19 फरवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता मनमीत सिंह सूदन ने रक्तदान कर समाज को जीवनदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। मनमीत सिंह सूदन ने कहा कि हमारा शरीर प्रतिदिन नया रक्त बनाता है और यदि हम समय-समय पर रक्तदान करें तो इससे हमें कोई नुकसान नहीं होता। इसके विपरीत इससे जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि रक्त की कमी के कारण हर साल कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। यदि समाज के अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य में भाग लें तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। सूदन ने रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी की जिंदगी अंधकार में न डूबे। उनके इस कदम की स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सराहना की और इसे प्रेरणादायक पहल बताया

‘कांग्रेस ही नहीं, हर व्यक्ति राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ रहा है’

जम्मू, 19 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रति नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए जेएंडकेएनसी के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य का दर्जा सिर्फ एक राजनीतिक नारा नहीं है बल्कि एक बुनियादी चिंता है जो सीधे तौर पर जम्मू-कश्मीर के युवाओं के भविष्य और क्षेत्र के समग्र लोकतांत्रिक ढांचे को प्रभावित करती है।

यहां जारी एक बयान में वरिष्ठ एनसी नेता ने यह स्पष्ट किया कि कांग्रेस ही नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर का हर व्यक्ति राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ रहा है क्योंकि यह लोगों की आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने एक लोकप्रिय सरकार चुनकर और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। अतीत में चुनावों में मतदाता मतदान बेहद कम रहा जिसमें भागीदारी मुश्किल से 10-15 प्रतिशत तक पहुंच पाई। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के आश्वासन और दृढ़ प्रयासों से लोगों ने पूरे दिल से लोकतंत्र में अपना विश्वास जताया है जिससे चुनावी भागीदारी बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक अधिकारों की मशालवाहक रही है और संसद, सार्वजनिक रैलियों और राजनीतिक संवादों सहित हर मंच पर पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लगातार उठाती रही है।

पुंछ में पीर पंजाल विंटर फेस्टिवल संगीत और नृत्य प्रतिभा खोज प्रतियोगिता हुई शुरू

पुंछ, 19 फरवरी (हि.स.)। संगीत और नृत्य प्रतिभा खोज प्रतियोगिता प्रतिभा और रचनात्मकता के एक रोमांचक प्रदर्शन के लिए मंच तैयार कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महत्वाकांक्षी गायकों और नर्तकों को अपने कौशल, जुनून और कलात्मक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है जो पीर पंजाल विंटर फेस्टिवल का एक प्रमुख कार्यक्रम है जो कलाकारों की भावना के माध्यम से युवा विकास को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पुंछ में विभिन्न आयु समूहों और पृष्ठभूमियों से 50 से अधिक प्रतिभागी शास्त्रीय, समकालीन और फ्यूजन प्रदर्शनों सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आए हैं। शुरुआती प्रदर्शनों ने आगे एक रोमांचक प्रतियोगिता के लिए माहौल तैयार किया जिससे दर्शक अपनी ऊर्जा और कलात्मकता से मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतिष्ठित जजों, उत्साही प्रतिभागियों और उत्साही भीड़ के साथ प्रतियोगिता संगीत और नृत्य उत्कृष्टता की एक रोमांचक यात्रा होने का वादा करती है। पीर पंजाल विंटर फेस्टिवल एकता, आपसी सम्मान और सामूहिक विकास का उत्सव है। खेल, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और साझा समारोहों के माध्यम से हम एकजुटता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देते हैं।

कठुआ विधायक ने 65 लाख का आधुनिक सड़क सफाई वाहन समर्पित किया

कठुआ 19 फरवरी (हि.स.)। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने बुधवार को कठुआ की जनता को एक आधुनिक सड़क सफाई वाहन समर्पित किया।

मॉडर्न रोड स्वीपिंग व्हीकल के संचालन को औपचारिक रूप से शुरू करने के लिए नगर परिषद कार्यालय कठुआ में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद कठुआ अमित शर्मा, उनके स्टाफ सदस्य सहित कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे। नगर परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मशीनीकृत वाहन की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित किया, जिसकी कीमत 65 लाख से अधिक है। कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने इस अवसर पर बोलते हुए आशा व्यक्त की कि आधुनिक रोड स्वीपिंग वाहन के आने से कठुआ की स्वच्छता परिदृश्य में सुधार होगा।

उन्होंने शहरी स्थानीय निकाय जम्मू के निदेशक के माध्यम से कठुआ नगर परिषद को यह वाहन उपलब्ध कराने के लिए आयुक्त सचिव आवास एवं शहरी विकास मनदीप कौर को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

छात्रा शकुरा बेगम ने कबड्डी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर कठुआ का नाम रोशन किया

कठुआ 19 फरवरी (हि.स.)। राजकीय महिला महाविद्यालय कठुआ की छात्रा शकुरा बेगम ने जेके यूटी कबड्डी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर महाविद्यालय के साथ-साथ जिला कठुआ नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर सीमा जॉली, डॉ रचना, प्रोफेसर यशपाल (खेल संयोजक), प्रोफेसर मनजोत सिंह और सौरभ दत्ता सहित अन्य संकाय ने शकुरा बेगम को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। प्रभारी प्राचार्य ने कॉलेज परिसर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पीटीआई संजीव जम्वाल के समर्पण और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों के समग्र विकास में खेलों के महत्व पर जोर दिया और अधिक छात्रों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज की छात्रा शकुरा बेगम ने जेके यूटी कबड्डी चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल कर नाम रोशन किया है। चैंपियनशिप हाल ही में जेके यूटी कबड्डी एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी और इसकी मेजबानी पुंछ जिले के प्रशासन ने की थी।

छात्रों को नए आपराधिक कानूनों के प्रति किया जागरूक

कठुआ 19 फरवरी (हि.स.)। जम्मू कश्मीर पुलिस विभाग ने आईक्यूएसी जीडीसी मढ़हीन के सहयोग से नए आपराधिक कानून विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि सीपीओ अंशुमान दुबे और विशेष अतिथि डीएसपी नितीश शर्मा, एसएचओ राजबाग अजय चिब थे।

पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुपमा गुप्ता के संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण और किशोर न्याय और पुनर्वास जैसे तीन विषयों को शामिल किया गया।

हीरानगर विधायक ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की

कठुआ 19 फरवरी (हि.स.)। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विधायक हीरानगर विजय कुमार ने जनता को स्वच्छता के महत्व और स्वच्छ भारत मिशन के मूल मूल्यों के बारे में शिक्षित किया।

उन्होंने स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल के तहत विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला और निवासियों से स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। चल रहे अभियान के दौरान कचरा संग्रहण ट्रकों और अपशिष्ट उत्खननकर्ताओं जैसी उन्नत मशीनरी का उपयोग करके पुराने कचरे को हटाया गया।

21 फरवरी को कठुआ में लगेगा नौकरी मेला, एक हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

कठुआ 19 फरवरी (हि.स.)। आगामी 21 फरवरी को कठुआ प्रशासन स्थानीय युवाओं के लिए नौकरी मेले का आयोजन कर रहा है। जिसके लिए डीसी कठुआ ने अधिक से अधिक युवाओं को इस मेले में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। यह प्रमुख कार्यक्रम गोदरेज, वरुण बेवरेजेज, क्रीम बेल, एलआईसी और कई अन्य प्रतिष्ठित संगठनों जैसे प्रमुख औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी के साथ योग्य युवाओं के लिए 1,000 से अधिक रिक्तियों की पेशकश करेगा। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने उपलब्ध रोजगार के व्यापक अवसरों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कठुआ में यह अपनी तरह का पहला आयोजन है जो विभिन्न प्रकार के उद्योगों को एक छत के नीचे एक साथ लाता है। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कठुआ स्थित उद्योग और प्रतिष्ठान विभिन्न योग्यता स्तरों और विशेषज्ञता के लिए 1,000 से अधिक नौकरियों की पेशकश कर रहे हैं और हम सभी योग्य उम्मीदवारों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। डॉ. मिन्हास ने बताया कि नौकरी मेला स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और क्षेत्र में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन की व्यापक रणनीति का एक अभिन्न अंग है, जिसमें कौशल विकास और निरंतर प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय कार्यबल तेजी से विकसित हो रहे नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धी बना रहे। रिक्ति विवरण में 10वीं पास की न्यूनतम योग्यता वाले उम्मीदवारों के लिए 500 पद, 12वीं कक्षा पूरी कर चुके उम्मीदवारों के लिए 200 पद और विभिन्न स्ट्रीम और अनुभव वाले स्नातकों के लिए 300 पद शामिल हैं। सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों से लेकर वेलनेस एडवाइजर्स, प्लांट मैनेजर्स, अकाउंट्स और परचेज मैनेजर्स, ग्राफिक डिजाइनर और एनओसी एनालिस्ट तक की भूमिकाओं के साथ कई क्षेत्रों में नौकरी की रिक्तियां फैली हुई हैं। अतिरिक्त अवसरों में बीमा सलाहकार और पर्यवेक्षक, बॉयलर और मशीन ऑपरेटर, गुणवत्ता नियंत्रण ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, हेल्पर, सुरक्षा गार्ड, प्रशिक्षु, मानव संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में विभिन्न पद शामिल हैं।

सेना द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

पुंछ, 19 फरवरी (हि.स.)। भारतीय सेना विभिन्न प्रभावशाली व्याख्यानों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल की वकालत करना जारी रखती है। बुधवार को पुंछ जिले के हरिबुद्धा स्थित मिडिल स्कूल धारा में एक व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें शिक्षा के महत्व और बालिकाओं के अधिकारों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सत्र में लड़कियों के सशक्तिकरण और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया गया। प्रमुख भारतीय महिलाओं की प्रेरक कहानियों पर प्रकाश डाला गया और महिलाओं का समर्थन करने के लिए बनाई गई सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। व्याख्यान में न केवल करियर विकास में बल्कि व्यक्तिगत विकास में भी महिलाओं को समान अवसर और अधिकार प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया गया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विभिन्न सरकारी पहलों पर चर्चा की गई जिसमें छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने, आत्मनिर्भर बनने और सामाजिक प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सत्र में लैंगिक असमानता और देश के विभिन्न भागों में महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के मुद्दे पर भी चर्चा की गई तथा बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा भारतीय सेना ने महिला-पुरुष अनुपात में गिरावट के महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डाला तथा बालिकाओं की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल ध्यान देने का आह्वान किया।

उपस्थित लोगों ने लड़कों की तरह ही लड़कियों को भी समान शिक्षा और विकास के अवसर प्रदान करने के महत्व को स्वीकार किया। व्याख्यान को अच्छी प्रतिक्रिया मिली तथा उपस्थित लोगों ने लड़कियों के लिए समानता और सशक्तिकरण के दृष्टिकोण का समर्थन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महिलाओं के लिए बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। ऑपरेशन सद्भावना के तहत रोमियो फोर्स के तहत राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन ने हरनी में महिलाओं के लिए बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण कक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं जिसका समापन पुंछ के मेंढर में एक समापन समारोह में हुआ। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवा लड़कियों को सशक्त बनाना है जो स्थानीय आबादी के कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इस कार्यक्रम ने दूरदराज के क्षेत्रों की लड़कियों को आवश्यक कंप्यूटर कौशल प्रदान किया, डिजिटल विभाजन को पाट दिया और नए कैरियर के अवसर खोले। राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद से संबद्ध केंद्र के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण ने क्षेत्र में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देते हुए प्रतिभागियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाया। स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर, सेना ने न केवल युवा महिलाओं को मूल्यवान तकनीकी कौशल से लैस किया बल्कि विश्वास और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दिया।

जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में कैरियर की संभावनाओं पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। सरकारी गांधी मेमोरियल (जीजीएम) साइंस कॉलेज, जम्मू के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और एनएसएस इकाई ने कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, माइक्रोबायोलॉजी और जैव सूचना विज्ञान में कैरियर की संभावनाओं पर जागरूकता व्याख्यान का

सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इन तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में उभरते कैरियर के अवसरों की ओर मार्गदर्शन करना था और इसमें विभिन्न विषयों के संकाय सदस्यों और छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई।

इस सत्र में प्रतिष्ठित वक्ताओं, डॉ. अंकित महाजन और डॉ. एस. भारतीराजा, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जम्मू विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर शामिल थे। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी और इसके संबद्ध क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति, शोध के अवसरों और कैरियर के रास्तों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी।

सत्र की इंटरैक्टिव प्रकृति ने छात्रों और एनएसएस स्वयंसेवकों को अकादमिक और व्यावसायिक विकास पर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए चर्चाओं में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने इस पहल की सराहना की तथा छात्रों के भविष्य को आकार देने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने संसाधन व्यक्तियों के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया तथा छात्रों को इन आशाजनक कैरियर क्षेत्रों को तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।

संपादकीय

कोई बड़ी साजिश रच रहा पाकिस्तान

जबकि सीमा, खास तौर पर नियंत्रण रेखा पर फिर से उबाल आता दिख रहा है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान कोई बड़ी साजिश रच रहा है। इस संदर्भ में, राजौरी के सुंदरबनी सेक्टर से आ रही रिपोर्टों ने एक बार फिर पुष्टि की है कि दुष्ट पड़ोसी कुछ षडयंत्र रच रहा है, क्योंकि नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी है।

आज की घटना को राजौरी, पुंछ और जम्मू जिलों में नियंत्रण रेखा के पार से हाल ही में बिना उकसावे के की गई गोलीबारी की घटनाओं के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, क्योंकि 2003 के युद्धविराम समझौते के उल्लंघन की इस तरह की घटनाओं में हाल ही में हुई वृद्धि से संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिन भारतीय सैनिकों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी में अचानक अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

सीमा पर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कोई भी कह सकता है कि समय की मांग है कि इस सिद्धांतहीन पड़ोसी को उसके नापाक मंसूबों को आकार देने से रोकने के लिए सतर्क रहा जाए। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में अधिकांश विदेशी आतंकवादियों को समाप्त करने के बाद, विशेषकर राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में, यह पाकिस्तान द्वारा जम्मू क्षेत्र में आतंकवादियों की उपस्थिति को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, ताकि वह अतीत की तरह फिर से आतंक का राज स्थापित कर सके, जिसमें उसने पुंछ और राजौरी जिलों के दूरदराज के क्षेत्रों में निहत्थे ग्रामीणों पर आतंकवादी हमलों के माध्यम से लोगों में भय का माहौल फैलाया था।

यह सराहनीय है कि भारतीय सैनिकों ने हाल ही में पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा की गई अकारण गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया है, जिसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि जल्द से जल्द यह पता लगाया जाए कि पश्चिमी पड़ोसी ने संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन क्यों शुरू कर दिया है, जिसे कुछ समय पहले पीएम नरेंद्र मोदी के देश की बागडोर संभालने के बाद पुनर्जीवित किया गया था।

कुल मिलाकर, भारतीय सेना और देश के मामलों को संभालने वाले लोगों को ऐसी बातों को हल्के में नहीं लेना चाहिए, केवल यह कहकर कि सेना और अन्य सुरक्षा बल दुश्मन के दुस्साहस को रोकने में सक्षम हैं, क्योंकि ऐसी बातों को हल्के में लेना देश के हित में नहीं होगा।

यह उचित है कि सरकार को पाकिस्तान को जमीनी स्तर पर मुंहतोड़ जवाब देने के अलावा, इस मुद्दे को सही मंच पर उठाना चाहिए ताकि देश के कपट को उजागर किया जा सके जो 1947 में अपनी स्थापना के बाद से भारत के लिए एक अभिशाप की तरह है।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत व रचनात्मक विपक्ष जरूरी

-प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर टीका-टिप्पणी व हंगामे के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं।

सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए मज़बूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। 卐विधेयक पर बातचीत करते हुए उसे समाप्त कर देना卐 या 卐विधेयक पर बात न करना卐 का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे।

राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मज़बूत किया जाना चाहिए।

तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की ज़रूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी।

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है। भारत में विपक्ष को मज़बूत करने के लिए सिर्फ़ राजनीतिक दलों को ही नहीं, बल्कि समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था को मज़बूत करना होगा। महत्त्वपूर्ण नीतियों में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मीडिया तक समान पहुँच प्रदान करना और राज्य निधि का आवंटन शामिल है। लोकतंत्र को गतिशील, उत्तरदायी और जवाबदेह बनाने के लिए एक मज़बूत और सफल विपक्ष का होना आवश्यक है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वर्तमान युग में क्यों महत्वपूर्ण हैं गुरुजी की शिक्षाएँ

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें सभी लोग गुरुजी के नाम से पुकारते हैं, उनका दर्शन और विश्वदृष्टि, सनातन धर्म के ठोस और वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित थी, जिससे उनका दृष्टिकोण स्पष्ट और असंदिग्ध था। इसका मतलब यह नहीं है कि उनके विचार प्राचीन सिद्धांतों से अडिग रूप से बंधे हुए थे। सेमेटिक धर्मों के विपरीत, हिंदू धर्म ने लगातार लचीलापन और अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन किया है।

सनातन धर्म मौलिक और शाश्वत है, फिर भी हमारे ऋषियों ने समय के निरंतर बीतने के कारण परिवर्तन की अनिवार्यता को पहचाना। नतीजतन, सनातन धर्म के सिद्धांतों को आँख मूंदकर या कट्टरता से नहीं बल्कि सोच-समझकर और प्रासंगिक रूप से लागू किया जाना चाहिए। गुरुजी ने इस अंतर को अच्छी तरह से समझा और तदनुसार मार्गदर्शन प्रदान किया।

जीवों में एक सुखी, देखभाल करने वाला और शांतिपूर्ण जीवन जीने की एक अंतर्निहित प्रवृत्ति होती है। हालाँकि, जैसे-जैसे दुनिया ने पश्चिमीकरण को अपनाया है, विकसित भौतिकवादी मानसिकता ने प्रत्येक व्यक्ति के जीवन पर भारी असर डाला है, जिससे वे अपने आसपास की शांति, आनंद और सामंजस्य खो रहे हैं। अधिकांश लोग लालच, शत्रुता, विनाशकारी मानसिकता और अहंकारी रवैये जैसी कई नकारात्मक विशेषताओं के साथ एक यांत्रिक अस्तित्व जीते हैं, मानवता की भावना को खो रहे हैं और प्रकृति के विरुद्ध काम कर रहे हैं। महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति और उच्च जीवन स्तर के बावजूद, दुनिया भर के व्यक्ति दुखी, असंतुष्ट हैं और सामाजिक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। पश्चिमी उपभोक्तावाद की अवधारणा हानिकारक है, क्योंकि यह व्यक्तियों को केवल वस्तुओं और ग्राहकों के रूप में देखता है। इससे सभी उपलब्ध रास्तों का शोषण होता है, अक्सर मानवता और पर्यावरण अखंडता की कीमत पर। इसके अलावा, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सामाजिक संबंध और कल्याण को बढ़ावा देने के बजाय उपभोक्तावाद पर ध्यान केंद्रित करके डिज़ाइन किया गया है। इसलिए गुरुजी की शिक्षाएँ आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्हें समाज, राष्ट्र और विश्व के सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक आयामों की पूरी जानकारी है। उनकी कुछ शिक्षाएँ हमारी बेहतर समझ के लिए प्रस्तुत हैं।

गुरुजी के आर्थिक, राजनीतिक और स्वदेशी सिद्धांत

किसी समाज की राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक व्यवस्था में होने वाले परिवर्तन का प्रभाव पूर्ण समाज पर भी पड़ सकता है। गुरुजी ने एक एकीकृत सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक दृष्टिकोण विकसित किया। उन्होंने भारतीय दर्शन, संस्कृति, धर्म और साहित्य के साथ-साथ समाजवाद, मार्क्सवाद और पश्चिमीकरण जैसी पश्चिमी विचारधाराओं का भी गहन अध्ययन किया।

अपने व्याख्यानों और भाषणों में उन्होंने मार्क्सवाद और पश्चिमीकरण दोनों की आलोचना की। वे अक्सर भारतीय दर्शन और साहित्य की तुलना मार्क्सवाद और उसकी विचारधारा से करते थे। गुरुजी ने मार्क्सवाद के आर्थिक नियतिवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और वर्ग संघर्ष के मूल सिद्धांतों को खारिज कर दिया। उनका मानना था कि न तो साम्यवाद और न ही पूंजीवाद दुनिया को एकजुट कर सकता है। उन्होंने जो स्पष्टीकरण दिया वह आवश्यक था। भौतिकवादी विचारधारा, जो मनुष्यों को भौतिक पशु मानती है और भौतिक हितों को प्राथमिकता देती है, एकता और सद्भाव के बजाय प्रतिस्पर्धा और संघर्ष को जन्म देती है। तर्क सीधा है। भौतिक स्तर पर, केवल विविधता और अंतर है। वे अलगाववाद और बहिष्कार को बढ़ावा देते हैं। जो व्यक्ति केवल भौतिक वास्तविकता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उनमें एकता और एकीकरण की कमी हो सकती है। सहयोग पर विचार करने का कोई कारण नहीं है। जब हम स्पष्ट मतभेदों से परे देखते हैं, तो हम एक सूक्ष्म एकता देख सकते हैं जो सभी स्थूल प्राणियों को एक सुसंगत पूल में जोड़ती है।

गुरुजी के अनुसार, भौतिकवादी मानते हैं कि हम सभी स्वतंत्र व्यक्ति हैं जिनका कोई सामान्य संबंध या लगाव नहीं है। कार्ल मार्क्स के सिद्धांत वर्ग संघर्ष और पूंजीवाद पर वर्गहीन समाज की जीत पर केंद्रित हैं। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि आपसी नापसंदगी और दुश्मनी सफलता की ओर ले जा सकती है। उन्हें लगा कि साम्यवाद वर्ग विभाजन और नफरत पैदा कर सकता है, जो अंततः वर्ग संघर्ष को जन्म देता है। कार्ल मार्क्स की विचारधारा कटुता और आपसी दुश्मनी पर जोर देती है। उन्होंने राष्ट्र को मजबूत करने के लिए वर्ग शांति, सहयोग और आपसी समझ पर जोर दिया। उनका मानना था कि वर्ग भेद समाज को विभाजित करते हैं, जो राष्ट्र के लिए हानिकारक है। सोवियत संघ और चीन को व्यापक रूप से मार्क्सवादी-आधारित साम्यवाद के सबसे प्रमुख उदाहरण माना जाता है। उनके अनुसार, चीन और रूस ने ऐतिहासिक रूप से सत्ता हासिल करने के लिए समाजवाद का इस्तेमाल किया है, जिसके कारण विनाशकारी कदम उठाए गए हैं। दोनों देशों में प्रभुत्व के भूखे अधिकारियों ने राजनीतिक प्रभुत्व हासिल करने के लिए ऐतिहासिक रूप से अपने ही नागरिकों को नुकसान पहुंचाया है। चीन और रूस उन्नत और विकसित होने का दावा करते हैं, लेकिन दोनों का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व स्थापित करना है। गुरुजी इस स्वभाव और व्यवहार को राक्षसी मानते हैं।

उपभोक्तावाद हिंदू संस्कृति के लोकाचार के साथ असंगत है। हमारा आदर्श वाक्य 卐अधिकतम उत्पादन और समान वितरण卐 होना चाहिए, जिसमें राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता हमारा तात्कालिक लक्ष्य हो। बेरोजगारी और अल्परोजगार को युद्ध स्तर पर संबोधित किया जाना चाहिए। जबकि औद्योगीकरण आवश्यक है, लेकिन इसे पश्चिम की नासमझ प्रतिकृति होने की आवश्यकता नहीं है। प्रकृति का दोहन किया जाना चाहिए, शोषण नहीं। पारिस्थितिकी कारक, प्राकृतिक संतुलन और भावी पीढ़ियों की जरूरतों पर विचार किया जाना चाहिए।

पारिस्थितिकी, अर्थशास्त्र और नैतिकता सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक नव स्वतंत्र राष्ट्र के नेतृत्व की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने नागरिकों की मानसिक संरचना में आवश्यक परिवर्तन को प्रभावित करना है। गुरुजी नव स्वतंत्र भारत की मानसिकता से अच्छी तरह वाकिफ थे। अंग्रेजों ने भारत को न केवल राजनीतिक और आर्थिक रूप से गुलाम बनाया था, बल्कि जीवन के सभी पहलुओं में सांस्कृतिक रूप से भी गुलाम बनाया था। वे अपनी दुर्भावनापूर्ण योजनाओं में काफी हद तक सफल भी हुए थे।

हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं ने इस सत्य को समझा और स्वदेशी, गोरक्षा, स्वभाषा, हिंदी आदि पर जोर देकर इस आत्मघाती मानसिकता को खत्म करने का प्रयास किया। डॉक्टर जी का अनुसरण करते हुए गुरुजी ने संघ के माध्यम से लोगों में इन विचारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई पहल की। स्वदेशी पर उनका विश्वास सर्वव्यापी था। स्वदेशी की उनकी अवधारणा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं थी; इसमें दैनिक जीवन के सभी तत्व शामिल थे, जैसे कि हमारी मूल भाषाओं में विवाह के निमंत्रण या कार्यक्रम की बधाई भेजना, साथ ही हिंदू परंपरा के अनुसार जन्मदिन मनाना आदि।

इन दृष्टिकोणों का विशेष महत्व है। ये केवल दार्शनिक ग्रंथ नहीं हैं। गुरुजी केवल एक बौद्धिक दार्शनिक से कहीं अधिक थे। वे हिंदू दर्शन और उसकी जटिलताओं को अच्छी तरह समझते थे। एक व्यावहारिक नेता और राष्ट्रव्यापी आंदोलन के मार्गदर्शक के रूप में उन्होंने अपने दर्शन को व्यक्तिगत अनुभव और प्रयोग के माध्यम से परखा। वे वास्तविक दुनिया के मुद्दों और चुनौतियों पर केंद्रित रहे। उनका दृष्टिकोण हिंदू आध्यात्मिक परंपरा पर आधारित होने के बावजूद अत्यधिक व्यावहारिक था।

रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही

डॉ. आर.के. सिन्हा

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा देने वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के ख़ानपान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े-लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं।

अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है।

इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन तेजी से विकसित किये जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है।

सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

अब मेक इन इंडिया की बात। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है।

2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है।

सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है।

2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है।

यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है। यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए हैं। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा । 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 के लिए मुख्य स्टेडियम की घोषणा मार्च में होगी

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड प्रांत की सरकार ने कहा कि ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 और पैरालिंपिक खेलों के लिए मुख्य स्टेडियम के जगह की घोषणा मार्च में की जाएगी।क्वींसलैंड के उप प्रधानमंत्री जारोड ब्लेजी ने बताया कि चर्चा के बाद 25 मार्च को सरकार मुख्य स्टेडियम की जगह बारे में घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए बुनियादी ढांचे प्रदान करने के लिए चल रही स्वतंत्र समीक्षा में 08 मार्च को सरकार को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने वाली है। रिपोर्ट में इस बात की सिफारिश की जाएगी कि नया स्टेडियम बनाया जाए या नहीं और एथलेटिक्स खेल कहाँ आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने कहा, क्वींसलैंड के लोग विश्व मंच पर खेलों को लेकर किसी तरह आलोचना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि हम 2032 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों का आयोजन करेंगे, जिस पर हमारा प्रांत गर्व कर सके और जो हमें विश्व मंच पर एक महान प्रांत के रूप में उभरकर सामने आये।

लखनऊ छावनी में शुरु हुआ डीएडी बैडमिंटन टूर्नामेंट

लखनऊ । लखनऊ में 11वें अखिल भारतीय रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) बैडमिंटन टूर्नामेंट की विधिवत शुरुआत हो गयी। सूर्या खेल परिसर (एसकेपी) में टूर्नामेंट का उद्घाटन रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) देविका रघुवंशी ने किया। इस मौके पर मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एसके चौधरी, आईडीएएस, हरि हर मिश्रा, आईडीएएस के साथ-साथ सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सेवानिवृत्त आईडीएएस अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने बैंड प्रदर्शन के साथ मार्च-पास किया। टूर्नामेंट में कुल 184 खिलाड़ी (127 पुरुष और 57 महिलाएं) भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट को स्पोर्ट्स कोटा श्रेणी,ओपन श्रेणी और आईडीएएस अधिकारी श्रेणी में विभाजित किया गया है। इसमें खेल कोटा के तहत 12 खिलाड़ी , आईडीएएस अधिकारी श्रेणी के तहत 37 अधिकारी और ओपन श्रेणी के तहत 135 खिलाड़ी भाग लेंगे। टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा, जिसमें शुरुआती राउंड 30 अंकों के एकल सेट के होंगे। हालाँकि, क्वार्टर फ़ाइनल से 21 अंकों के सर्वश्रेष्ठ तीन सेट खेले जाएंगे। आज सभी 83 मैच खेले जा चुके हैं। टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा, जिसमें शुरुआती राउंड 30 अंकों के एकल सेट के होंगे। हालाँकि, क्वार्टर फ़ाइनल से 21 अंकों के सर्वश्रेष्ठ तीन सेट खेले जाएंगे।

थाईलैंड को हराकर दक्षिण कोरिया एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वार्टरफाइनल में

शेन्ज़ेन, (चीन)। दक्षिण कोरिया ने ग्रुप डी में थाईलैंड को 4-1 से हराकर एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गये मुकाबले में योत्सकोन बुराफा के बॉक्स से बाहर के शॉट ने थाईलैंड को 23वें मिनट में बढ़त दिलाई। इसके बाद दक्षिण कोरिया के यूं डो-योंग ने 32वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दक्षिण कोरिया के किम ताए-वोन ने 59वें और 86वें मिनट में दो गोल किए। स्थानापन्न पार्क सेउंग-सू की ओर से किये गये चौथे गोल ने दक्षिण कोरिया की जीत पक्की कर दी। इसी के साथ दक्षिण कोरिया ने अंतिम आठ में जगह बना ली हैं। इससे पहले हुये जापान और सीरिया के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर छूटा। सीरिया के मोहम्मद अल मुस्तफा ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जापान के युटो ओजेकी ने 24वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अहमद सौफी ने 33वें मिनट में गोलकर सीरिया को फिर से बढ़त हासिल दिलाई। इसके बाद जापान के रेंटो ताकाओका ने 85वें मिनट में गोल कर फिर से स्कोर को 2-2 बराबरी पर ला दिया। जापान को तीसरे दौर के लिए केवल एक ड्रॉ की आवश्यकता है। वही थाईलैंड दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: नवदीप सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। हरियाणा के नवदीप सिंह ने राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुषों की भाला फेंक (स्न41 वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 39.93 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश के लक्ष्य चौधरी ने 34.21 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता, जबकि दिल्ली के रितेंदर ने 32.93 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। 24 वर्षीय पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता नवदीप ने स्वर्ण जीतने पर खुशी जाहिर की, लेकिन कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य 40 मीटर पार करने का था, लेकिन हाल ही में उन्होंने पर्याप्त अभ्यास नहीं किया था। मैं अपने प्रदर्शन से थोड़ा निराश हूं क्योंकि मैं 40 मीटर का लक्ष्य लेकर आया था। हालांकि, मैं अपनी गलतियों पर काम करूंगा और भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर करने का प्रयास करूंगा, नवदीप ने कहा। नवदीप अब 11 से 13 मार्च तक नई दिल्ली में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, यह भारत में पहली बार हो रहा है और देशवासियों को पैरालंपियन के खेल को करीब से देखने का मौका मिलेगा। मैं इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए तैयार हूं।

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

वड़ोदरा । नेट सायबर ब्रंट (दो विकेट/ 57रन) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत मुंबई इंडियंस ने वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पांचवें मुकाबले में 23 गेंदे शेष रहते गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। गुजरात जायंट्स के 120 के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गवां दिया। हेली मैथ्यूज (17) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया मिश्रा ने यास्तिका भाटिया (आठ) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (चार) रन बनाकर आउट हुई। एमेलिया केर (19) रन बनाकर आउट हुई। नेट सायबर ब्रंट ने 39 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। संजीवन सजना (10) रन बनाकर नाबाद

रही। मुम्बई इंडियंस ने 16.1 ओवर में 122 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया।गुजरात की ओर से काश्वी गौतम और प्रिया मिश्रा ने दो- दो विकेट लिये। तनुजा कंवर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने एक के बाद एक अपने चार विकेट 28 के स्कोर पर गवां दिये। बेथ मूनी (एक), लॉरा वुलफार्ट (चार), दयालन हेमलता (नौ) और कप्तान एश्ली गार्डनर (10) रन बनाकर आउट हुई। हरलीन देओल और काश्वी गौतम ने पारी संभालने का प्रयास किया। 12वें ओवर में हैली मैथ्यूज ने काश्वी गौतम (20) को आउटकर मुंबई को पांचवी सफलता दिलाई। डिएंड्रा डॉटिन (सात) रन बनाकर आउट हुई। सिमरन शेख (तीन), तनुजा कंवर (13) रन बनाकर आउट हुई। हरलीन देओल ने टीम के साथ सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। उन्हें एमेलिया केर ने आउट किया। सायली सातघरे (13) रन बनाकर नाबाद रही। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 120 रन बनाये। मुम्बई की ओर से ली मैथ्यूज ने तीन विकेट, नेट सायबर ब्रंट और एमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिये। शबनिम इस्माइल और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मोहम्मद अजहरुद्दीन की नाबाद शतकीय पारी से केरल का विशाल स्कोर

एजेंसी

अहमदाबाद। मोहम्मद अजहरुद्दीन (नाबाद 177) की शतकीय की बदौलत केरल ने रणजी ट्राफी के पहले सेमीफाइनल के तीसरे दिन 457 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। केरल ने कल के सात विकेट पर 418 रन आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र की शुरुआत में चिंतन गजा ने आदित्य सरवटे (11) को बोल्ड कर केरल को आठवां झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष (पांच) रनआउट हुये। हालांकि इस दौरान मोहम्मद जहरुद्दीन एक छोर थामे खड़े रहे। चिंता गजा ने एनपी बासिल (एक) को आर्य देसाई के हाथों कैच आउट कराकर केरल की पहली पारी का अंत कर दिया। आज केरल ने 39 रन जोड़ कर अपने तीन विकेट गवां दिये। केरल ने अपनी पहली पारी में 187 ओवर में 457 रन बनाये। गुजरात की ओर से अरजान नागवासवाला ने तीन विकेट लिये। चिंतन गजा को दो विकेट मिले। प्रियजीत सिंह जाडेजा, विशाल जायसवाल और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का निधन

मुम्बई। मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। रेगे को कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां और आज सुबह छह बजे उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 1966 से 1977-78 तक कुल 52 मैच खेलते हुए 126 विकेट लिए। कुल 23.56 की और औसत से 1532 रन भी बनाए। मुंबई के पूर्व कप्तान ने 1960 और 70 के दशक में एक दशक से अधिक समय तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। अपने खेल करियर के बाद रेगे मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) में विभिन्न पदों पर जुड़े रहे। उनके अलग-अलग कार्यकाल में चयनकर्ता और मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी कार्य किया। 1988 में जब युवा सचिन तेंदुलकर को रणजी ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया था, तब वे मुंबई

के चयनकर्ताओं में से एक थे। नागपुर में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मुंबई और विदर्भ दोनों टीमों ने रेगे की याद में तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा। इस दौरान खिलाड़ी हाथों पर काली पट्टी बांध कर मिलिंद रेगे को श्रृद्धांजलि दी।

शार्दुल ठाकुर काउंटी चैम्पियनशिप में एसेक्स के लिए खेलेंगे

एजेंसी

नागपुर। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी चैम्पियनशिप के शुरुआती चरण में एसेक्स के लिए खेलेंगे। शार्दुल ने काउंटी में खेलने के लिए एसेक्स के साथ अनुबंध किया है। शार्दुल ठाकुर अप्रैल और मई के दौरान सात मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह पहली बार काउंटी किकेट में खेलेंगे।

उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में 100 से अधिक विकेट लिए हैं और आखिरी बार 2023-24 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले थे। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। मौजूदा रणजी ट्रॉफी में मुंबई को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका रही है। उन्होंने 21.67 की औसत से 34 विकेट लेने के साथ-साथ 400 से अधिक रन बनाए हैं। एसेक्स की टीम के साथ हुए अनुबंध पर ठाकुर ने कहा, मैं इस गर्मी में एसेक्स से

जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए नए अवसर और चुनौतियां लेकर आएगा, जिससे मैं अपनी प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित कर सकूं। काउंटी क्रिकेट खेलने की मेरी हमेशा से इच्छा थी और मैं खुश हूं कि मैं इस टीम का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, हम शार्दुल ठाकुर के साथ करार करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हमारी योजना स्पष्ट थी कि हमें एक उच्च गुणवत्ता वाला तेज गेंदबाज चाहिए था, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सके।

बेन कर्रन का शतक, जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को नौ विकेट से हराया

हरारे (वार्ता)। बेन कर्रन (नाबाद 118) की शतकीय और कप्तान क्रेग एर्विन (नाबाद 69) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 63 गेंदे शेष रहते आयरलैंड को नौ विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 124 रन जोड़े। 20वें ओवर में ग्रेम ह्यूम ने ब्रायन बेनेट (48) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान क्रेग एर्विन ने बेन कर्रन के पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। बेन कर्रन ने 130 गेंदों में 14 चौकों की मदद से (नाबाद 118) रनों की पारी खेली।

वही क्रेग एर्विन ने 59 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 69)रन बनाये। जिम्बाब्वे ने 39.3ओवर में 246 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने 42 के स्कोर तक अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान पॉल स्टर्लिंग (नौ) और कर्टिस कैमफर (11) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैरी टेक्टर ने एंडी बैलबर्नी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 86 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में वेलिंग्टन मसाकाट्जा एंडी बैलबर्नी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एंडी बैलबर्नी ने 99 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (64) रनों की पारी खेली। इसके बाद 39वें ओवर में रिचर्ड एन्गरावा ने हैरी टेक्टर (51) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। जॉर्ज डॉकरेल (दो) रन बनाकर आउट हुये। लोर्कान टकर ने 54 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। उन्हें 50वें ओवर में ब्लेसिंग मुजरबानी ने बोल्ड आउट किया। आयरलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 240 रन का स्कोर खड़ा किया।जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गरावा और ट्रेवर ग्वांडू ने दो-दो विकेट लिये। ब्लेसिंग मुजरबानी और वेलिंग्टन मसाकाट्जा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में जर्मनी ने भारत को 4-1 से हराया

एजेंसी

भुवनेश्वर। मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी ने पुरुष एफआईएच हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। आज यहां भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जर्मनी के लिए फ्लोरियन स्पर्लिंग ने (सातवें) मिनट, थिएस प्रिंज ने (14वें) मिनट, मिशेल स्ट्रुथॉफ ने (48वें) मिनट और राफेल हार्टकोफ ने (55वें) मिनट में गोल किये।

वहीं भारत की ओर से एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने (13वें)मिनट में किया। पहले क्वार्टर में जर्मनी की ओर से फ्लोरियन स्पर्लिंग ने सातवें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके कुछ देर बाद ही भारत के गुरजंत सिंह ने 13वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी के थिएस प्रिंज ने 14वें मिनट में एक और गोल करके अपनी टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया। भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में आक्रामक प्रदर्शन किया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी गोल करने में विफल रहे। 48वें मिनट में जर्मनी ने मिशेल स्ट्रुथॉफ के जरिए गोलकर बढ़त को 3-1 कर दिया। इसके दो मिनट बार राफेल हार्टकोफ ने जर्मनी के चौथा गोल कर अपनी टीम जीत सुनिश्चित कर दी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता

टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए। श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई।

गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता। वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में जगह बनाई।

वाटिका बनाम सुदेवा मुकाबला रहा ड्रा

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में आज यहाँ नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए रोमांचक मुकाबले में वाटिका एफसी ने सुदेवा एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक कर महत्वपूर्ण अंक झटक लिए। सुदेवा के लिए गोल संखिल डरपोल ने और वाटिका की ओर से जवाबी गोल कुशाग्र कक्कर ने जमाया । दिन के पहले मुकाबले में अंक तालिका में टॉप पर चल रहे सीआई एस एफ ने फिसड्डी यूनाइटेड भारत एफसी को बमुश्किल 2-1 से हराया। वाटिका के गोल कीपर यश कुलकर्णी और सी आई एस एफ के मोहम्मद खालिद को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। सी आई एस एफ के गोल मोहम्मद खालिद और शक्तिनाथ ने किए। पराजित यूनाइटेड भारत का गोल जहाँ ने किया।

चोटिल लॉकी फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

एजेंसी

लाहौर। न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की पूर्व संध्या पर उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फर्ग्यूसन दाहिने पैर में चोट के कारण आठ टीमों के टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

उनकी जगह न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन के जाने से चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह की शुरुआत में चोट के कारण टीम को तेज गेंदबाज बेन सियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गये और उनकी जगह जैकब डफी को टीम में शामिल किया गया। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, ÷हम लॉकी के लिए वास्तव में निराश हैं। उन्होंने कहा कि लॉकी गेंदबाजी समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उसके पास कई

बड़े टूर्नामेंटों का अनुभव है और हम जानते हैं कि वह किसी अन्य प्रमुख आयोजन में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कितना उत्सुक था। हम उसके ठीक होने और जल्द ही वापसी करते हैं। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को लाहौर में टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

एजेंसी

हैदराबाद। मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीड डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था। मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं। हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं। रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान

फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं। मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5त्न (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6त्न सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है। हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की। उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

हेक्सावेयर टेक ने 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में की शुरुआत

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनी हेक्सावेयर टेक के शेयर ने आज 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 708 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर कंपनी के शेयर 731 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 745 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 8.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 768.35 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर 8.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 768.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। हेक्सावेयर टेक का 8,750 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.79 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा किसी भी कैटेगरी में इसे पूरा सब्सक्रिप्शन नहीं मिल सका था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.11 गुना और एम्प्लाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.33 गुना सब्सक्राइब हुए थे।

स्टॉक मार्केट में वोलर कार की फीकी शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट लेवल तक पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। मल्टीनेशनल कंपनीज और कॉर्पोरेट क्लायंट्स को एम्पलाई ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज (ईटीएस) की सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी वोलर कार ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी लिस्टिंग के जरिए अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 90 रुपये के भाव पर ही हुई। मार्केट में एंट्री होने के थोड़ी देर बाद ही ये शेयर उछल कर 92.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसमें 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता लगा दिया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 5 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वोलर कार का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 13.62 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 13.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

एएससीआई और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग सट्टेबाजी विज्ञापनों के खिलाफ एकजुट

मुंबई। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने अवैध ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए के विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए भारतीय फैंटेसी स्पोर्ट्स महासंघ (एफआईएफएस), अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी, जो संबंधित मंत्रालयों को अवैध विज्ञापनों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग पर केंद्रित होगी। इसके अलावा यह प्रकोष्ठ रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) विज्ञापनों की भी जांच करेगा ताकि वे एएससीआई के दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों की पहचान कर नियामकों तक पहुंचाना और आरएमजी उद्योग के अनुपालन को मजबूत करना है। यह समझौता ज्ञापन 02 जनवरी 2025 से प्रभावी रहेगा। समझौते के लागू होने के बाद से एएससीआई ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय को 413 ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों को रिपोर्ट किया है ।

भारत निर्यातकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रहा है : जितिन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने आज यहां कहा कि भारत सरकार भविष्य में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों पर विचार कर रही है और उसके अनुरूप रणनीति तैयार कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे निर्यातकों और विशेषकर भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने देशों की संरक्षणवादी व्यापार नीति से उत्पन्न संभावित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। ईईपीसी इंडिया के 54वें राष्ट्रीय पुरस्कार और चौथे गुणवत्ता पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, भारत आगे बढ़ रहा है। हमारे पास 1.4 बिलियन का बाजार है। हम एफटीए को समान स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे पास न केवल वे संख्याएं हैं, जिनके बारे में लोग बात करते थे बल्कि हमारे पास एक महत्वाकांक्षी खर्च करने वाली आबादी है। हम भारत के हित में और हमारे निर्यातकों के हित में सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करेंगे। हम अब किसी भी दबाव में नहीं झुकेंगे। हम इससे कम पर समझौता नहीं करेंगे। समारोह में आज 33 उत्पाद समूहों के 106 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 4 श्रेणियों में 14 गुणवत्ता पुरस्कार विजेता शामिल हुए। इनमें महारत्न-बीएचईएल, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील, जेएसडब्ल्यू, पोस्को महाराष्ट्र जैसी इस्पात दिग्गज कंपनियां, ईपीसी परियोजना प्रमुख- लार्सन एंड टूब्रो, प्रसिद्ध रक्षा उपकरण निर्माता- बीईएमएल, ऑटोमोबाइल उद्योग के सितारे- इसुजु मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर, एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता- तोशिबा ट्रांसमिशन शामिल हैं। ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने कहा, इस वर्ष हम वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 106 विजेताओं की एक टीम को 106 पुरस्कारों से पुरस्कृत कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा, जिसमें इंजीनियरिंग निर्यात पहली बार 100 बिलियन अमरीकी डॉलर को पार कर गया, जो प्रभावशाली 112 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निर्यातक समुदाय के लचीलेपन, अनुकूलनशीलता और नवाचार को दर्शाती है। भविष्य के मद्देनजर सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में 118 बिलियन अमरीकी डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसका लक्ष्य एक और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन करना है। निर्यातक समुदाय इस अवसर पर आगे बढ़ेगा और इस लक्ष्य को वास्तविकता बनाएगा, जिससे इंजीनियरिंग निर्यात में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। चड्ढा ने निर्यातक समुदाय के सामने आने वाली कुछ चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने एमएसएमई के लिए निर्यात ऋण की लागत को कम करने और उन्हें उच्च स्टील की कीमतों से बचाने के उपायों का आह्वान किया, जो स्टील पर 20-25फीसदी की सीमा में आसन्न सुरक्षा शुल्क के परिणामस्वरूप हो सकता है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने देश के उन्नत बैटरी विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़े कदम के रूप में उन्नत रसायन सेल (एसीसी) को लेकर उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के साथ एक कार्यक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किए। सोमवार को हुआ यह समझौता एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक निविदा प्रक्रिया के बाद रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड को 10 गीगावाट घंटा एसीसी क्षमता प्रदान करता है और इसे भारत की 18,100 करोड़ रुपये की पीएलआई एसीसी योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने योग्य बनाता है।यह समझौता मई 2021 में मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत ÷उन्नत रसायन सेल बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम÷ पर प्रौद्योगिकी पीएलआई योजना के कार्यान्वयन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका कुल परिव्यय 18,100 करोड़ रुपये है, जिसका उद्देश्य 50 गीगावाट घंटा की कुल विनिर्माण क्षमता हासिल करना है। इस हस्ताक्षर के साथ, 50 गीगावाट घंटा क्षमता में से चार चयनित लाभार्थी फर्मों को 40 गीगावाट घंटा की संचयी क्षमता प्रदान की गई है। मार्च 2022 में आयोजित निविदा के पहले दौर में, तीन लाभार्थी फर्मों को कुल 30 गीगावाट घंटा क्षमता आवंटित की गई थी, और उस दौर के लिए कार्यक्रम समझौतों पर जुलाई 2022 में हस्ताक्षर किए गए थे। भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समारोह के दौरान इस बात पर जोर दिया कि पीएलआई एसीसी योजना स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है ।

एक्शन में सेबी, 19 एफवीसीआई का रजिस्ट्रेशन रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट कंट्रोलर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 19 फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स (एफवीसीआई) के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। आरोप है कि ये फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स अपने रजिस्टर्ड एड्रेस से कारोबार नहीं कर रहे थे। इसके साथ ही इन पर नियमित तौर पर तिमाही रिपोर्ट फाइल नहीं करने का भी आरोप है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, सेबी की जांच में इस बात का पता चला कि सभी 19 आरोपी फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स ने 2013 से लेकर 2023 के बीच अपने रजिस्टर्ड ऐड्रेस से काम करना बंद कर दिया था। इन कंपनियों का रजिस्टर्ड ऐड्रेस सिंगापुर, मॉरीशस और साइप्रस में है। आरोप है कि इन 19 एफवीसीआई में से 6 ने कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। इसी तरह चार ने 2012-13 के बाद से कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। सेबी ने जिन एफवीसीआई पर कार्रवाई की

है, उनमें एक्सिस इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर होल्डिंग्स, एक्सिस कैपिटल मॉरिशस, ब्लैकस्टोन कैपिटल पार्टनर्स और ब्लैकस्टोन फैमिली इंवेस्टमेंट पार्टनरशिप जैसे बड़े वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स के नाम भी शामिल हैं। सेबी की ओर से आज जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि जांच में ये तथ्य सामने आया है कि जिन एफवीसीआई को नोटिस भेजा गया था, उनमें से कोई भी वेंचर कैपिटल इन्वेस्टिंग से जुड़ी एक्टिविटी नहीं कर रहा था। इससे इस बात का संकेत मिलता है कि रजिस्टर्ड फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर के तौर पर आगे काम करने में इनकी दिलचस्पी नहीं बची है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि जब इन एफवीसीआई ने रजिस्टर्ड एड्रेस पर काम बंद किया तो उन्होंने इसकी जानकारी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया को भी नहीं दी, जबकि नियमानुसार ऐसा करना आवश्यक था।

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान भारतीय उद्योग परिसंघ ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ साझेदारी में आज यहां भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन किया। संयुक्त व्यापार मंच में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने मुख्य भाषण किया। संयुक्त बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विकसित भारत विजन के अनुरूप 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर सफल ऊर्जा व्यापार का एक लंबा इतिहास साझा करते हैं लेकिन इस साझेदारी का भविष्य हाइड्रोकार्बन से आगे बढ़कर एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, आईओटी और सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे भू-राजनीतिक गतिशीलता बदलती है और साइबर सुरक्षा के खतरे बढ़ते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एक प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। प्रत्येक देश के पास अलग-अलग प्रतिस्पर्धी लाभ होने के कारण उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर एक-दूसरे की ताकत को पूरक बनाने की स्थिति में हैं और नवाचार को आगे बढ़ाने और कल के उद्योगों को आकार देने में भागीदार हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश परिवर्तनकारी बदलाव की ओर अग्रसर हैं, इसलिए यह साझेदारी उद्यमशीलता, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के स्तंभों पर टिकी होगी। उन्होंने व्यापार करने की लागत को कम करने और व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ाने में भारत के प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डालते हुए इसे वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीयता और स्थिरता के नखलिस्तान के रूप में स्थापित किया। कतर को भारत की गतिशील और लचीली अर्थव्यवस्था में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विजन 2047 और कतर का राष्ट्रीय विजन 2030 रणनीतिक आर्थिक सहयोग के एक नए युग को आकार देगा। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रों पर एक संयुक्त कार्य समूह बनाने का भी सुझाव दिया और कतरी व्यवसायों को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (जीआईएफटी सिटी) में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कतर और भारत के बीच संबंध केवल एक लेन-देन नहीं है, यह आपसी सम्मान, साझा हितों और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर आधारित एक परंपरा है। भारत-कतर व्यापार साझेदारी भारत के कतर का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनने के साथ ही फली-फूली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कतर एक विविधतापूर्ण, गतिशील और निवेशक-अनुकूल गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने भारतीय निवेशकों को कतर की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के भीतर विशाल अवसरों का पता लगाने के लिए गर्मजोशी से आमंत्रित किया।

पीएस राज स्टील्स की शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील पाइप और ट्यूब बनाने वाली कंपनी पीएस राज स्टील्स ने बुधवार को 3.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर उनकी एंट्री 145 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में तेजी आ गई। दोपहर 1 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 151 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 7.86 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

पीएस राज स्टील्स का 28.28 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.82 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 139.11 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 45.20 करोड़ रुपये के 24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 10.80 करोड़ रुपये के 6 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज का भुगतान करने, प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ट्राइफेड और टी ट्रंक ने जनजातीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली।आदिवासी उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) ने बेहतरीन भारतीय चाय की पत्तियों और अद्वितीय मिश्रणों के घर टी ट्रंक के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस बारे में सोमवार को यहां एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो मुख्यधारा के खुदरा बाजार में आदिवासी उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बहुत बड़े ग्राहक आधार को पूरा करता है। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 16 से 24 फरवरी

2025 तक चल रहे प्रमुख कार्यक्रम 'आदि महोत्सव' के दौरान केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और ट्राइफेड के प्रबंध निदेशक आशीष चटर्जी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान ट्राइफेड के महाप्रबंधक संदीप पहलवान और टी ट्रंक की संस्थापक और सीईओ सुश्री स्निग्धा मनचंदा के बीच हुआ। इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य टी ट्रंक की बाजार उपस्थिति का लाभ उठाकर और अपने मौजूदा ग्राहक आधार को उत्पादों की व्यापक पसंद प्रदान करके आदिवासी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह सहयोग आदिवासी उत्पादकों के लिए सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करेगा और उन्हें कौशल विकास और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करेगा। ट्राइफेड बड़े महानगरों और राज्य की राजधानियों में आदिवासी मास्टर-शिल्पकारों और महिलाओं को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने के लिए ÷आदि महोत्सव ङ्क राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव÷ का आयोजन कर रहा है। इस महोत्सव का विषय है उद्यमिता, आदिवासी शिल्प, संस्कृति, भोजन और वाणिज्य की भावना का उत्सव, जो आदिवासी जीवन के मूल लोकाचार का प्रतिनिधित्व करता है।

एपीडा ने बायोफैच 2025 में भारत की जैविक विरासत को किया प्रदर्शित

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर हुए थे। इसका उद्देश्य भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाने का है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारत की समृद्ध कृषि विरासत और टिकाऊ खेती की बढ़ती मांग के उपलक्ष्य में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में भारत मंडप के तहत भारतीय निर्यातकों की भागीदारी का आयोजन किया गया था। बायोफैच 2025 में एपीडा इंडिया मंडप का उद्घाटन म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने किया था। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में 11 फरवरी 2025 को एपीडा और नूर्नबर्ग मेसे के बीच एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर भी हुए, जिससे भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाया जा सके। इस आशय पत्र पर नूर्नबर्ग मेसे के प्रबंधन बोर्ड की उपाध्यक्ष और सदस्य विक्टोरिया वेहसे और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने म्यूनिख में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा की उपस्थिति में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर भारत और बायोफैच के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी में एक निर्णायक था, जिसमें भारत ने पहले 2012 में प्रतिष्ठित भागीदार देश का खिताब अपने नाम किया था। यह भारत के लिए अगले साल इस वैश्विक कार्यक्रम में सुर्खियों में आने और बायोफैच 2026 में दुनिया के लिए जैविक खाद्य टोकरी के रूप में भारत की ताकत पेश करने का मंच भी तैयार करता है। उन्होंने बताया कि भारत के जैविक खाद्य उत्पादों और पेशकशों की विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एपीडा ने निर्यातकों, एफपीओ और राज्य सरकार के संगठनों सहित 20 से अधिक सह-प्रदर्शकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की, जिन्होंने चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, दालचीनी, आम प्यूरी, आवश्यक तेलों जैसे उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में न केवल भारत की कृषि क्षमता को दर्शाया गया।

सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में लगातार चौथे वर्ष बादशाहत बरकरार रखी है। एक्सिस बैंक के प्राइवेट बैंकिंग बिजनेस बरगंडी प्राइवेट और हुरुन इंडिया की जारी भारत की 500 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के चौथे संस्करण '2024 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500' रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉप तीन सबसे मूल्यवान कंपनियों में 12 प्रतिशत की वृद्धि से 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसके बाद 30 प्रतिशत की वृद्धि से 16.1 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और 26 प्रतिशत की वृद्धि से 14.2 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ एचडीएफसी बैंक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार चौथे साल बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 में शीर्ष स्थान पर अपनी बादशाहत जारी रखे हुए है। 17.5 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य टीसीएस से कम से कम 1.9 लाख करोड़ रुपए अधिक है।

बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि आज के कारोबार के दौरान एक बार फिर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के बावजूद निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.71 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढ़ाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 397.81 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 400.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,037 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,914 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,607 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 601 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,006 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 76.85 अंक की मजबूती के साथ 76,073.71 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 560.68 अंक टूट कर 465.85 अंक की कमजोरी के साथ 75,531.01 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 436.38 अंक की रिकवरी करके 29.47 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 75,967.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 4.15 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 22,963.65 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 158 अंक टूट कर 22,801.50 अंक तक गिर गया।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार के आरोप में 41 पूर्व पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान कथित दमनकारी कार्रवाइयों में शामिल 41 पूर्व पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। ये अधिकारी उन 1,059 पूर्व पुलिसकर्मियों में शामिल हैं, जिन पर अत्याचारों के आरोप लगे हैं। आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन ने व्यापक जनआक्रोश का रूप लिया था, जिसके परिणामस्वरूप पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की 16 वर्षीय सरकार सत्ता से बाहर हो गई। इस विरोध के चलते शेख हसीना ने 05 अगस्त 2024 को इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई। विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 1,400 लोगों की जान गई, जिसके बाद पीड़ितों और उनके परिवारों ने 1,059 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 41 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कई वरिष्ठ अधिकारी अब भी फरार हैं या देश छोड़कर भाग गए हैं।गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल मामून, एकेएम शाहिद-उल-हक और ढाका व चट्टोग्राम के पूर्व पुलिस आयुक्त शामिल हैं। पूर्व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त हारुन-उर-रशीद के खिलाफ सबसे अधिक 174 मामले दर्ज हैं, जबकि अल मामून पर 159 मामले चल रहे हैं।

अमेरिका ने नेपाल को दिए जा रहे 500 मिलियन डॉलर के एमसीसी परियोजना को बंद करने का दिया निर्देश

काठमांडू। अमेरिकी सरकार ने नेपाल को दिए जा रहे 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन (एम.सी.सी.) के सभी परियोजना को बंद करने का निर्देश जारी किया है। नेपाल से लेकर भारतीय सीमा तक तीन 400 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के लिए अपने 500 मिलियन अनुदान को निलंबित कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल के वित्त मंत्रालय को ईमेल भेज कर इस बात की जानकारी दी है। यह नेपाल के लिए एक बड़ा झटका है। अमेरिका में ट्रंप के सत्तासीन होने के बाद यूएसएआईडी के द्वारा दिए जा रहे सभी अंतरराष्ट्रीय सहायता को रोकने का कार्यकारी आदेश जारी किया था। नेपाल में कम्युनिस्ट दलों के कड़े विरोध के बाद संसद से एमसीसी परियोजना को लागू करने का फैसला किया गया था। पांच वर्षों के प्रयास के बाद यह एमसीसी नेपाल में लागू हो पाया था। इस परियोजना के अंतर्गत तीन नए ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण कार्य गत वर्ष फरवरी से ही शुरू हुआ था। नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने अमेरिका से आए ईमेल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह दुखद है कि अमेरिकी प्रशासन एमसीसी जैसे महत्वपूर्ण परियोजना को बंद करने को कहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका अपने इस निर्णय पर पुनर्विचार करेगा।

आने वाले दिनों में यूक्रेनवासियों के लिए कोई अच्छी खबर नहीं:पूर्व विदेश मंत्री

मास्को/कीव। यूक्रेनवासियों को आने वाले दिनों में किसी सकारात्मक खबर की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि देश कठिन दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन के पूर्व विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने मंगलवार को यह बात कही। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा आने वाले दिनों में खबरों में रोशनी की तलाश मत करो लेकिन याद रखो कि अंत में सब कुछ अच्छा होगा, अगर सब कुछ अच्छा नहीं है तो अभी अंत नहीं हुआ है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि मौजूदा परिस्थितियों में यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करना असंभव है, क्योंकि कीव का मानना है कि उसके पास मध्य-गर्मियों तक और यूरोपीय सहायता के अगले बैच तक टिकने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। पिछले सप्ताह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ़ोन पर लगभग डेढ़ घंटे तक बात की। उन्होंने रूसी और अमेरिकी नागरिकों के आदान-प्रदान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, साथ ही यूक्रेन में संघर्ष के समाधान पर भी चर्चा की।

सूडान में आरएसएफ के हमलों में दो सौ से ज़्यादा लोग मारे गए

बुडापेस्ट । सूडान में पिछले तीन दिनों में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमलों में बच्चों और महिलाओं सहित 200 से ज़्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। अल-अरबी अल-जदीद न्यूज़ पोर्टल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया कि व्हाइट नाइल राज्य के दो गांवों पर हमला किया गया। यह क्षेत्र पहले किसी भी सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह मुक्त थे। उल्लेखनीय है कि सूडानी नियमित सेना और विद्रोही आरएसएफ अप्रैल 2023 से देश पर नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति ने कहा कि देश में चले रहे संघर्ष से बीमारी फैल सकती है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का घातक पतन हो सकता है। रूस में सूडान के राजदूत मोहम्मद सिराज ने जनवरी की शुरुआत में एक साक्षात्कार में उम्मीद जताई थी कि सशस्त्र संघर्ष 2025 में समाप्त हो जाएगा।

बस से उतारा और मार दी गोली, पाकिस्तान में सात पंजाबी यात्रियों की हत्या

एजेंसी

क्वेटा (पाकिस्तान) । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने लाहौर जा रही एक बस में सात यात्रियों की हत्या कर दी। हमला बरखान जिले में हुआ। अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगा बलूचिस्तान प्रांत अलगाववादी विद्रोहियों और पाकिस्तान की दशकों पुरानी लड़ाई का युद्धक्षेत्र बना हुआ है। अगलगाववादी अधिक स्वायत्तता और क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों में हिस्सा चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डिप्टी कमिश्नर वकार खुर्शीद आलम ने बताया कि करीब 40 हथियारबंद लोगों के समूह ने कई बसों और वाहनों को रोका, राष्ट्रीय पहचान पत्र की जांच की और फिर सात यात्रियों को बस से उतारकर गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि मारे गए सभी सात लोग

मध्य पंजाब प्रांत के थे। क्षेत्र के सहायक आयुक्त खादिम हुसैन ने कहा कि हत्याएं पंजाब के दक्षिणी शहर डेरा गजा खान को बरखान से जोड़ने वाले राजमार्ग पर हुईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, और हत्याओं के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर है, लेकिन हमलावर भाग निकलने में कामयाब रहे। इससे पहले शुक्रवार को कोयला खनिकों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में कम से कम 11 लोग मारे गए और छह अन्य घायल हो गए।

पिछले अगस्त में अलगाववादी आतंकवादियों ने पाकिस्तान में कई हमले किए, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए। हमलों में पुलिस स्टेशन, बुनियादी ढांचे और नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसमें बलूचिस्तान के हाइवे पर हुआ वह हमला भी शामिल है जिसमें बंदूकधारियों ने कम से कम 23 लोगों को उनके वाहनों से जबरन उतारकर उनकी पहचान की जांच करने के बाद मार डाला।

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

नेपाल में ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश, 24 भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में किराए का घर लेकर ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने एक और गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह में शामिल 24 भारतीय युवकों को गिरफ्तार किया गया है। काठमांडू पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार रात को बूढ़ा-नीलकंठ इलाके में ऑनलाइन सट्टेबाजी की गुप्त सूचना मिलने के बाद छापा मारकर 24 युवकों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 21 लैपटॉप, 38 मोबाइल फोन, 50 से अधिक प्रयोग किया हुआ इंडियन कंपनियों का सिमकार्ड, 5 राउटर और हिसाब-किताब रखने के लिए 10 डायरी बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने पत्रकारों को बताया कि पिछले हफ्ते ही एक अन्य भारतीय गिरोह के भंडाफोड़ के बाद जब आगे की जांच शुरू की गई तो इस ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पता चला। इस बार पकड़े गए गिरोह के लोग आज से शुरू हो रहे चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट में सट्टेबाजी के लिए भारत, पाकिस्तान सहित खाड़ी देश के लोगों से संपर्क की फिराक में थे। सट्टेबाजी के लिए ह्वाट्सऐप और टेलीग्राम ऐप का प्रयोग किया जा रहा था।

युद्ध के लिए ट्रंप ने यूक्रेन को ठहराया दोषी, कहा - आसानी से सुलझ सकता था मामला

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन पर निशाना साधा है। उन्होंने युद्ध शुरू करने के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया और कहा कि कीव पहले 'समझौता कर सकता था।' लगभग तीन वर्ष पहले रूस के पूर्ण पैमाने पर हमले के बाद यूक्रेन में युद्ध छिड़ गया था।

ट्रंप का यह बयान रियाद में युद्ध को समाप्त करने के लिए हुई अमेरिका-रूस वार्ता के बाद आया। हालांकि इसमें कीव को शामिल नहीं किया गया था जिसकी यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने निंदा भी की। उन्होंने कहा कि यह 'हैरानी' की बात है कि उनके देश को रूस के साथ जंग खत्म करने के लिए होने वाली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की की प्रतक्रिया पर निराशा जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा,÷मैंने सुना है कि वे सीट न मिलने से परेशान हैं, हालांकि उनके पास तीन साल और उससे भी पहले से सीट है। इस मामले को बहुत आसानी से

सुलझाया जा सकता था।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'आपको इसे कभी शुरू नहीं करना चाहिए था। आप एक डील कर सकते थे।' उन्होंने कहा, 'मैं यूक्रेन के लिए ऐसा समझौता कर सकता था। इससे उन्हें लगभग सारी जमीन मिल जाती - और कोई भी व्यक्ति नहीं मारा जाता, कोई भी शहर तबाह नहीं होता। रियाद में बैठक के बाद, ट्रम्प ने कहा, 'रूस कुछ करना चाहता है।

वे बर्बरता को रोकना चाहते हैं। मुझे लगता है कि मेरे पास इस युद्ध को समाप्त करने की शक्ति है।' इससे पहले रियाद में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिकी-रूस वार्ता में शामिल पक्षों ने यूक्रेन में शांति स्थापित करने, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक उच्च स्तरीय टीम बनाने पर सहमति जताई है।

अमेरिका और रूसी प्रतिनिधिमंडल की रियाद में करीब चार घंटे से अधिक समय तक चली। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी इस दौरान मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो ने बताया कि दूतावास में कर्मचारियों की संख्या बहाल करने पर भी सहमति बनी है।

भारतीय मूल के काश पटेल एफबीआई निदेशक बनने के और करीब पहुंचे

एजेंसी

वाशिंगटन । भारतीय मूल के काश पटेल अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई निदेशक बनने के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी सीनेट ने उनके नामांकन पर बहस शुरू करने के लिए 48-45 के मतों से मंजूरी दी है।अब 30 घंटे की चर्चा की उलटी गिनती शुरू हो गई है, जिसके बाद गुरुवार को पटेल को अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है। अगर उनका नामांकन मंजूर हो जाता है, तो वे एफबीआई का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय मूल के व्यक्ति बन जाएंगे। 44 वर्षीय पटेल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने मंत्रिमंडल और प्रशासन में नामित किए गए सबसे विवादास्पद लोगों में से एक रहे हैं। वह एक पूर्व पब्लिक डिफेंडर हैं, जिन्होंने वाशिंगटन डीसी की राजनीति में तेजी से अपना प्रभाव बनाया है। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों ने पहले उनके नामांकन पर संदेह जताया था, लेकिन अंत में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले का समर्थन किया। अन्य लोगों - राष्ट्रीय खुफिया निदेशक, स्वास्थ्य सचिव

रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के नाम की पुष्टि पार्टी-लाइन वोटिंग में हुई है, जिससे पटेल के भी जीत की उम्मीद है।हालांकि, मैट गेट्ज, जिन्हें अटॉर्नी जनरल के पद के लिए नामित किया गया था, को अपना नाम वापस लेना पड़ा क्योंकि कुछ रिपब्लिकन सीनेटर उनके खिलाफ लगे आरोपों से असहज थे। डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उन्हें कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, जिसमें रक्षा विभाग में चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय खुफिया के उप निदेशक के पद की भूमिका भी शामिल थी। ट्रंप को अब एफबीआई का प्रमुख नोमिनेट किया गया है, एक एजेंसी जिसने 2021 में ट्रंप के खिलाफ वर्गीकृत दस्तावेजों के कथित दुरुपयोग और राष्ट्रपति जो बिडेन से 2020 के चुनाव में हार को पलटने की कोशिश करने के लिए जांच की थी। पटेल की नियुक्ति को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की नजरें गुरुवार को होने वाले अंतिम मतदान पर हैं, जहां उनके एफबीआई निदेशक बनने का फैसला होगा।

मूर्खतापूर्ण योजना : ट्रंप के 'गाजा प्लान' पर खामेनेई ने साधा निशाना

एजेंसी

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि गाजा और फिलिस्तीन के लिए अमेरिका की 'मूर्खतापूर्ण' योजना 'कहीं नहीं पहुंचाएगी।'

खामेनेई ने कहा, 'जिन लोगों ने दावा किया था कि वे थोड़े समय में ही प्रतिरोध को नष्ट कर देंगे, वे अब प्रतिरोध सेनानियों से अपने कैदियों के छोटे-छोटे ग्रुप में ले रहे हैं और बदले में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा कर रहे हैं। ' समाचार एजेंसी ने सर्वोच्च नेता की वेबसाइट पर दिए गए बयान के हवाले से यह जानकारी दी।सर्वोच्च नेता ने तेहरान में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के महासचिव ज़ियाद अल-नखलेह और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। नखलाह ने प्रतिरोध के लिए इस्लामिक गणराज्य के निरंतर पक्ष में है' इसलिए प्रतिरोध और गाजा के लोगों की सहमति के बिना कोई भी योजना सफल नहीं होगी।

समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

खामेनेई ने कहा कि चूंकि 'वैश्विक जनमत अब फिलिस्तीन के

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में गाजा की फिलिस्तीनी आबादी को पड़ोसी देशों में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा। इसके मुताबिक जो गाजावासी जाएंगे, उन्हें वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप की योजना की तीखी आलोचना हो रही है लेकिन प्रस्ताव का इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोरदार समर्थन किया। 10 फरवरी को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी पर अमेरिकी राष्ट्रपति के क्रांतिकारी, रचनात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा कर रहा है। नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, वाशिंगटन से इजरायल लौटने के बाद कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप की योजना हमारे लिए कई संभावनाओं के द्वार खोलती है।

ट्रम्प का एक और कड़ा फैसला : बाइडेन युग के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश

एजेंसी

वॉशिंगटन। सत्ता संभालते ही एक के बाद एक सख्त फैसले कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को लेकर एक और बड़ा आदेश जारी किया है। ट्रम्प ने अपने ताजा आदेश में बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश देकर खलबली मचा दी है। ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पिछले चार वर्षों में न्याय विभाग का जितना राजनीतिकरण हुआ है उतना कभी नहीं हुआ। इसलिए सभी बचे हुए 'बाइडेन युग' के अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया है। हमें तुरंत 'सफाई' करनी चाहिए और विश्वास बहाली के लिए काम करना चाहिए। अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी चाहिए- जिसकी शुरुआत आज से हो रही है। ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिकी न्याय विभाग निशाने पर रहा है। कई अटॉर्नी पहले ही पद छोड़ चुके हैं। कई अटॉर्नी ने सोमवार को भी पद छोड़ने का एलान किया। ट्रम्प ने राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान आरोप लगाए थे कि बाइडेन प्रशासन उनके खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाकर काम कर रहा है। बाइडन प्रशासन में ट्रम्प के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए और जिन अटॉर्नी ने ट्रम्प के खिलाफ सुनवाई में हिस्सा लिया और ट्रम्प के खिलाफ जांच की, उन को ट्रम्प पहले ही न्याय विभाग से हटा चुके हैं। अमेरिका के न्याय विभाग में राष्ट्रपति बदलने के बाद अटॉर्नी पद छोड़ने की एक परंपरा है जिसमें सामान्य तौर पर नया प्रशासन अटॉर्नी से इस्तीफा मांगता है, लेकिन इस बार ट्रम्प ने इसे बदलते हुए अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

गाजा युद्ध विराम समझौते के अगले चरण को लागू करने के लिए तैयार : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे और तीसरे चरण को लागू करने की अपनी इच्छा जाहिर की। फिलिस्तीनी ग्रुप ने गाजा छोड़ने की इजरायली मांग भी नकार दी। हमास के प्रवक्ता हजम कासिम ने एक बयान में कहा कि समूह मध्यस्थ के अनुरोध पर रिहा किए जाने वाले इजरायली बंधकों की संख्या को दोगुना करने पर सहमत है, जो समझौते के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।समाचार एजेंसी के मुताबिक कासिम ने हमास को गाजा छोड़ने की इजरायली मांगों को खारिज करते हुए इसे 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' का हिस्सा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमास इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस मांग को स्वीकार नहीं करेगा कि समूह निरस्त्र हो जाए और उसके नेताओं को गाजा से निकाल दिया जाए। इससे पहले इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक ने

बताया कि नेतन्याहू ने युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू करने का आधिकारिक तौर पर फैसला किया और अपने फैसले के बारे में सुरक्षा कैबिनेट को सूचित किया। इससे पहले शनिवार को हमास और इजरायल ने बंधकों के बदले कैदियों की छठी अदला-बदली पूरी की। इस अदला-बदली में हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया।19 जनवरी से प्रभावी और छह सप्ताह तक चलने वाले संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण के तहत, लगभग 2,000 फिलिस्तीनियों के बदले में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है। अब तक, 19 इजरायली बंधकों के साथ-साथ पांच थाई लोगों को गाजा से रिहा किया जा चुका है, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण की बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजरायल ने अभी तक दूसरे चरण की बातचीत शुरू नहीं की।

पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र : यूएनएससी में भारत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर पाकिस्तान को जमकर लताड़ा और उसे 'आतंकवाद का वैश्विक केंद्र' बताया।भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने यूएन सुरक्षा परिषद में कहा, पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा सूचीबद्ध 20 से अधिक आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद को समर्थन प्रदान करता है। हरीश ने कहा, इसलिए यह एक बड़ी विडंबना है जब पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे होने के लिए खुद की पीठ थपथपाता है। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, भारत, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और हरकत उल मुजाहिदीन (एचयूएम) जैसे आतंकी समूहों के माध्यम से इस देश द्वारा किए गए आतंकी कृत्यों का शिकार रहा है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार द्वारा कश्मीर का मुद्दा

उठाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा, वास्तव में, यह पाकिस्तान ही है जिसने जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है। हरीश ने कहा कि पिछले साल के चुनाव में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के लोगों ने फिर से भारत के प्रति अपनी निष्ठा को स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पिछले साल ही सफल चुनाव में हिस्सा लिया और अपनी सरकार चुनने के लिए बड़ी संख्या में मतदान किया। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, लोगों की पसंद स्पष्ट और मुखर थी। जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र जीवंत और मजबूत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, गलत सूचना, झूठ तथा मिथ्या प्रचार का पाकिस्तानी अभियान जमीनी तथ्यों को नहीं बदलता।

स्पेन की वॉक्स पार्टी ने यूक्रेन में स्पेनिश सैनिकों को भेजने का किया विरोध

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन की चरम-दक्षिणपंथी पार्टी वॉक्स यूक्रेन में शांति रक्षा मिशन में भाग लेने के लिए स्पेनिश सैनिकों को भेजने के विचार का समर्थन नहीं करती है।

पार्टी प्रवक्ता पेपा मिलन ने संवाददाता सम्मलेन में कहा ÷ हम कहीं भी सेना भेजने का समर्थन नहीं करते हैं। हमारा मानना है कि हमारी सेना, राज्य सुरक्षा बल और सेना को सबसे पहले स्पेन की रक्षा करनी चाहिए तथा स्पेनवासियों को उन मुख्य समस्याओं से बचाना चाहिए जिनका हम वर्तमान में सामना कर रहे हैं, जिसमें अवैध प्रवास भी शामिल है। उन्होंने कहा कि साथ ही पार्टी राज्य की रक्षा पर खर्च बढ़ाने की भी बात करती है क्योंकि यह 'सभी स्पेनवासियों की सुरक्षा' में एक निवेश है उन्होंने कहा कि सोमवार को पेरिस में हुए यूरोपीय नेताओं की अनौपचारिक बैठक ने केवल यूरोप की 'अक्षमता' का 'सच्चा चित्र' दिखाया, जो 'रूसी आक्रमण के लिए कूटनीतिक समाधान सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने में असमर्थ' है। वाशिंगटन पोस्ट ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यूरोपीय देश यूक्रेन में कुल 25-30 हजार सैन्य कर्मियों को तैनात करने पर विचार कर रहे हैं।

भारत के पास है बहुत पैसा,हम क्यों करें 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी सरकार के कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा 'भारत में मतदान' के लिए 21 मिलियन डॉलर का फंड रद्द करने के फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समर्थन किया। फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो निवास पर ट्रंप ने कहा कि भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दिए गए, जबकि उसके पास बहुत ज्यादा पैसा है।उन्होंने कहा कि भारत के पास पहले से ही बहुत पैसा है और वह दुनिया के सबसे ज्यादा कर वसूलने वाले देशों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार करने में मुश्किल होती है क्योंकि वहां के टैरिफ बहुत ज्यादा हैं।

उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया लेकिन इस बात पर आश्चर्य जताया कि भारत में मतदान प्रक्रिया के लिए अमेरिका को पैसा देने की जरूरत क्यों महसूस हुई। यह

विवाद तब शुरू हुआ जब एलन मस्क के नेतृत्व में अमेरिकी कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को 21 मिलियन डॉलर की निधि को रोकने की घोषणा की। डीओजीई ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि कई विदेशी सहायता कार्यक्रमों को गैर-जरूरी या अत्यधिक खर्च वाला मानते हुए बंद किया गया है। इस सूची में भारत में मतदाता मतदान प्रोजेक्ट सबसे ऊपर था। इसके अलावा, बांग्लादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए 29 मिलियन डॉलर और नेपाल में राजकोषीय संघवाद व जैव विविधता संरक्षण के लिए 39 मिलियन डॉलर की फंडिंग भी बंद कर दी गई।

भारत में इस फैसले को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस निधि को रोकने के फैसले की आलोचना की और इसे भारत की चुनावी प्रक्रिया में ÷विदेशी हस्तक्षेप÷ करार दिया। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने सवाल किया कि आखिर इस धनराशि से किसे फायदा हुआ, यकीन है सत्तारूढ़ पार्टी को तो इससे कोई लाभ नहीं हुआ होगा!

उन्होंने इसे विदेशी संस्थाओं द्वारा भारतीय संस्थानों में व्यवस्थित घुसपैठ÷ का हिस्सा बताया और कहा कि इससे भारत के लोकतंत्र पर खतरा बढ़ सकता है। मालवीय ने इस फंडिंग पहल के पीछे अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जॉर्ज सोरोस का प्रभाव पहले भी भारत की चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली विदेशी वित्तपोषित पहलों में देखा गया है। उन्होंने 2012 में भारत के चुनाव आयोग और इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के बीच हुए विवादास्पद समझौते का जिक्र किया, जो सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से जुड़ा हुआ था।

स्थानीय समाचार

जम्मू बॉर्डर जिला ने बजट पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया

बिश्नाह, फरवरी 19। आज जम्मू बॉर्डर जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी के नेतृत्व में बजट पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया, विधायक बिश्नाह राजीव भगत मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि 2025 में संसद में पेश किए बजट पर समाज के हर वर्ग से चर्चा की जाए ताकि यह पता चल सके

कि बजट को लेकर उनकी क्या राय है और अगर किसी व्यक्ति को बजट को लेकर कोई संदेह है तो उसे हमारे विशेषज्ञों द्वारा दूर किया जा रहा है।

मोदी सरकार के बजट पर बात करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने कहा कि यह सही मायने में गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए बजट है। इस बजट में हर उस वर्ग के लिए प्रावधान किया गया है जिसकी भूमिका कहीं न कहीं देश की तरक्की में है।

जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार ऐसी सरकार है जो सही मायने में लोगों के हित में काम करती है। मोदी सरकार हमेशा इस बारे में सोचती है कि देश को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

बिश्नाह के विधायक राजीव भगत जी ने भी मोदी सरकार द्वारा घोषित बजट को जनता का बजट बताया और कहा कि हमारी सरकार हमेशा जनता के कल्याण के लिए काम करती है।

मंच संचालन बजट पर चर्चा कार्यक्रम जिला संयोजक अनिल गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुमित सदोत्रा, राकेश कुमार, गिरधर गोपाल, अभिषेक जम्वाल, सूरज सिंह, डीडीसी धरमिंदर कुमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राज सिंह, नारायण शर्मा, अशोक विरधी, सुरजीत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकार ने यातायात प्रबंधन प्रणाली की व्यापक समीक्षा के लिए एक समिति के गठन को मंजूरी दी

श्रीनगर, 19 फरवरी (हि.स.)। सरकार ने बुधवार को जम्मू और श्रीनगर शहरों में यातायात प्रबंधन प्रणाली की व्यापक समीक्षा और सुधार के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन को मंजूरी दे दी।

12 सदस्यीय समिति में गृह, आवास और शहरी विकास (सदस्य सचिव), पर्यटन, परिवहन, लोक निर्माण (आरएंडबी) विभागों के प्रशासनिक सचिवों के अलावा कश्मीर व जम्मू के संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, यातायात (या उनके प्रतिनिधि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे नहीं), जम्मू नगर निगम व श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)/राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षेत्रीय निदेशक और समिति द्वारा सहयोजित किए जा सकने वाले अन्य सदस्य शामिल हैं।

समिति के लिए शर्तों और संदर्भों में वैज्ञानिक अध्ययनों और डेटा विश्लेषण के आधार पर श्रीनगर और जम्मू शहरों के लिए विस्तृत यातायात प्रबंधन योजनाओं को तैयार करने, वैकल्पिक मार्गों की पहचान करने के लिए यातायात नियोजन और डेटा विश्लेषण शामिल हैं।

पैनल को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि यातायात योजनाएं अनुकूलनीय हों और स्थानीय अधिकारियों, नागरिकों और हितधारकों से फीडबैक शामिल किया जाए। इसे एक कुशल यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित करने और उसे चालू करने के लिए भी कहा गया है जिसमें प्रमुख जंक्शनों, रोटरी और टी-पॉइंट पर यातायात संकेतों की स्थापना, प्रबंधन और रखरखाव शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में नवाचारयुक्त आपराधिक कानूनों के त्वरित कार्यान्वयन की जरूरत : डॉ. परनीश

जम्मू, 19 फरवरी। भाजपा जम्मू-कश्मीर के प्रशिक्षण विभाग के संयोजक डॉ. परनीश महाजन ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशानुसार हाल ही में लागू किए गए आपराधिक कानूनों के शीघ्र और प्रभावी कार्यान्वयन की मांग की है।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम भारत की कानूनी प्रणाली को नया रूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक काल से विरासत में मिले पुराने कानून आधुनिक भारत की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। नया कानूनी ढांचा अपराध न्याय प्रणाली में अधिक दक्षता, न्यायसंगत प्रक्रियाओं और तकनीकी समावेश को सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने पुलिस कर्मियों, न्यायिक अधिकारियों और आम जनता को इन परिवर्तनों से अवगत कराने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, फ्रप्रभावी कार्यान्वयन के लिए कानूनी समुदाय और आम जनता को जागरूक करना अनिवार्य है। प्रशासन को शीघ्र कार्रवाई कर इस ज्ञान के अंतर को पाटने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

डॉ. परनीश महाजन ने यह भी कहा कि नए कानून पीड़ितों की सुरक्षा, जघन्य अपराधों के लिए कड़ी सजा और डिजिटल साक्ष्यों के उपयोग को प्राथमिकता देते हैं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया तेज और निष्पक्ष होगी। उन्होंने कहा, यह न्याय सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की प्रगतिशील शासन प्रणाली की सराहना करते हुए, डॉ. परनीश महाजन ने कहा कि ये सुधार भारत को वैश्विक न्याय प्रणाली और शासन में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से किए गए हैं। उन्होंने कहा, न्याय सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर को इन बदलावों को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

महाकुम्भः नेपाल के 50 लाख लोगों ने किया पवित्र स्नान

झ। मां जानकी के मायके नेपाल में महाकुम्भ को लेकर जबरदस्त उल्लास देखा जा रहा है। महाकुम्भ नगर में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम में अब तक नेपाल से आए 50 लाख से अधिक लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ का आयोजन अद्वितीय भव्यता के साथ किया जा रहा है। जिससे नेपाल समेत दुनियाभर के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां बड़े हनुमान जी के लिए विशेष रूप से भगवान राम की ससुराल से पवित्र अक्षत व अन्य सामान लेकर लोग आ रहे हैं और यहां से गंगा जल और संगम की माटी अपने साथ नेपाल भी ले जा रहे हैं। वहां के श्रद्धालुओं में बड़े हनुमान मंदिर और अक्षय वट के प्रति अद्भुत आस्था देखने को मिल रही है। नेपाल के लोगों में प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ साथ अयोध्या में श्री राम और काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने का भी क्रेज बहुत तेजी से बढ़ गया है।

नेपाल एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रेवेल्स एजेंट्स बांके चैप्टर के अध्यक्ष राम सिग्देल ने बताया कि नेपाल से विशेष रूप से भगवान श्रीराम की ससुराल जनकपुर से पवित्र अक्षत महाकुम्भ में लाया गया है। जिसे संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान जी को अर्पित किया गया है। वहीं, नेपाल के श्रद्धालुओं ने संगम की रेत और गंगा जल को सबसे अमूल्य धरोहर मानते हुए माथे पर लगाया और इसे अपने साथ घर ले गए। ये श्रद्धालु इन पवित्र वस्तुओं को ले जाकर अपने धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग भी कर रहे हैं।

नेपाल से मां जानकी के मायके से नए वस्त्र, आभूषण, फल, मेवा, पकवान, धोती-कुर्ता, गमछा आदि भेंट स्वरूप लाए गए। यह उपहार महाकुम्भ की धार्मिक समृद्धि को और बढ़ा रहे हैं।

नेपाल में अयोध्या और काशी के प्रति बढ़ा आकर्षण

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण और काशी में विश्वनाथ धाम कॉरिडोर को लेकर नेपाल के श्रद्धालुओं में इन धार्मिक स्थलों के प्रति विशेष आकर्षण बढ़ा है। हर दिन लाखों की संख्या में नेपाल से श्रद्धालु संगम स्नान के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

उनकी आस्था और श्रद्धा महाकुम्भ की दिव्यता को और अधिक बढ़ा रही है।

महाकुम्भ में मैंने भारत के सच्चे सार को देखा- तेजस्वी सूर्या

भारतीय जनता पार्टी के सांसद व युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को महाकुम्भ पहुंचकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई। संगम में स्नान के बाद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि महाकुम्भ में मैंने भारत के सच्चे सार को देखा।

उन्होंने कहा कि यहां मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात दिखाई दी, वह एकता का शानदार प्रदर्शन रहा। यहाँ हमारे विशाल राष्ट्र के हर कोने से लोग, अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग-अलग रीति-रिवाजों का पालन करते हैं, फिर भी आस्था के एक सामान्य सूत्र से बंधे हैं। भारी भागीदारी ने सांस्कृतिक चेतना की गहरी भावना को दर्शाया है, क्योंकि लाखों लोगों ने इस आध्यात्मिक यात्रा को करने का फैसला किया। इस बढ़ती हिंदू एकता का स्वाभाविक रूप से हमारे समाज के कई आयामों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ का सफल आयोजन यह साबित करता है कि जब नेतृत्व सांस्कृतिक चेतना के साथ जुड़ता है, तो दुनिया की सबसे बड़ी सभा को भी शालीनता और दक्षता के साथ प्रबंधित किया जा सकता है।

युवा मोर्चा के अध्यक्ष ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जब मैंने गंगा के पवित्र जल में पवित्र डुबकी लगाई, तो मुझे अपने ऊपर आशीर्वाद की एक गहरी भावना महसूस हुई, जो मुझे उन लाखों साथी साधकों से जोड़ती है, जिन्होंने सहस्राब्दियों से इस आध्यात्मिक यात्रा को अंजाम दिया है। जरा सोचिए कि कैसे इस परंपरा को सचमुच हजारों सालों से जीवित रखा गया है।

महाकुम्भ में विमानन क्षेत्र बना रहा रिकॉर्ड -मोहन नायडू

महाकुम्भ नगर, 19 फरवरी। केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने बुधवार को महाकुंभ पहुंचकर संगम में डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रयागराज टर्मिनल का विस्तार किया गया है। क्योंकि यहाँ महाकुम्भ मेला चल रहा है। हमने क्षमता भी दोगुनी कर दी है। पहले जहाँ आम तौर पर प्रतिदन 1,000 लोग यात्रा करते थे, अब यहां 20,000 लोग करीब हर रोज पहुँच रहे हैं। हमने देश के 17 गंतव्यों के लिए कनेक्शन दिए हैं और हम माँग को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। विमानन क्षेत्र एक रिकॉर्ड बना रहा है। यह बात उन्होंने संगम में डुबकी लगाने के बाद पत्रकारों से कही।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि श्रद्धालु प्रयागराज आकर पवित्र स्नान करना चाहते हैं, इसलिए हम एयरलाइन्स से लगातार बात कर रहे हैं। हम उन्हें नए कनेक्शन और नए रूट जोड़ने के लिए कह रहे हैं । इसका सारा श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। पिछले 10 सालों में, जिस तरह से उन्होंने देश में नागरिक विमानन और अन्य सभी क्षेत्रों का विकास किया है, हमने असाधारण विकास देखा है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर कहा कि मुझे लगता है कि विपक्ष सिर्फ़ आलोचना करने की कोशिश कर रहा है और आलोचना करने की हमेशा कुछ सीमाएं होती हैं। यह एक ऐसा आयोजन है, जहां पूरा भारत एक साथ आ रहा है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने पिछले दो वर्षों से बेहतरीन तैयारियाँ की हैं, ताकि दुनिया भर के श्रद्धालु यहां आकर पवित्र स्नान कर सकें।

उन्होंने महाकुंभ में शामिल होने पर कहा कि मैं यहां आकर बहुत खुश और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। यह (महाकुंभ) हमारी संस्कृति के लिए नई बात नहीं है, बल्कि इसका आयोजन पीढ़ियों से होता आ रहा है। मैं इस अवसर को खोना नहीं चाहता था, इसलिए मैं आज यहाँ आया हूँ।

महाकुम्भ - तीन लाख करोड़ रुपये का व्यापार, आस्था से अर्थव्यवस्था तक का अद्भुत संगम

महाकुम्भ नगर, 19 फ़रवरी । विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुम्भ ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सी) के अनुसार इस बार के महाकुम्भ ने तीन लाख करोड़ रुपये (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। सीएआईटी के महासचिव और सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है।

पूर्व उप महापौर ने कहा नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से लोगों का न्याय प्रणाली में विश्वास मजबूत होगा

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर की प्रवक्ता और जम्मू की पूर्व उप महापौर एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जम्मू-कश्मीर प्रशासन को अप्रैल 2025 तक नए बनाए गए आपराधिक कानूनों को पूरी तरह लागू करने के सख्त निर्देश की सराहना की है। यहां जारी एक हैंडआउट में एडवोकेट पूर्णिमा ने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिटिश काल की दंड संहिताओं की जगह लेने वाले ये नए कानून भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की शुरूआत एक ऐतिहासिक कदम है जो एक मजबूत, कुशल और जन-केंद्रित कानूनी ढांचा सुनिश्चित करता है। उन्होंने आगे बताया कि इन कानूनों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए सख्त प्रावधान, बेहतर गवाह सुरक्षा तंत्र और तेज सुनवाई प्रक्रिया शामिल हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा ये कानून पीड़ितों को सशक्त बनाएंगे, अपराधियों को रोकेंगे और न्याय और सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम सक्रिय रूप से आयोजित करने का आग्रह किया ताकि निर्बाध परिवर्तन सुनिश्चित किया जा सके।

कर्मचारियों के लिए नि:शुल्क मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

जम्मू, 19 फ़रवरी (हि.स.)। सिबा इवेंट्स ने जम्मू और कश्मीर राज्य सड़क परिवहन निगम और अमनदीप अस्पताल के सहयोग से आज जेकेएसआरटीसी परिसर में नि:शुल्क मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य जेकेएसआरटीसी कर्मचारियों और उनके परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, उनकी भलाई सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में भारी प्रतिक्रिया देखी गई जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों और उनके परिवारों ने अमनदीप अस्पताल के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा नि:शुल्क परामर्श और जांच का लाभ उठाया। सेवाओं में सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप और रक्त शर्करा की निगरानी, आंख और दंत परीक्षण, और कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, त्वचाविज्ञान और श्रवण देखभाल में परामर्श शामिल थे।

कैबिनेट मंत्री मुख्य अतिथि सतीश शर्मा ने स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया और इस तरह के लाभकारी कार्यक्रम के आयोजन में सीबा इवेंट्स के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर प्रकाश डाला खासकर परिवहन क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए जो अक्सर लंबे समय तक काम करते हैं और शारीरिक रूप से कठिन काम करते हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए जेकेएसआरटीसी के एमडी राकेश कुमार ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा जेकेएसआरटीसी की सफलता के लिए एक स्वस्थ कार्यबल महत्वपूर्ण है। हम सिबा इवेंट्स की इस विचारशील पहल की सराहना करते हैं जो हमारे कर्मचारियों की भलाई के लिए एक वास्तविक चिंता को दर्शाता है।

राज्य कर विभाग कश्मीर ने जीएसटी उल्लंघन को रोकने के लिए निरीक्षण अभियान किया तेज

श्रीनगर, 19 फरवरी (हि.स.)। आयुक्त राज्य कर जम्मू-कश्मीर पी.के. भट के निर्देशों के बाद राज्य कर विभाग कश्मीर ने कश्मीर संभाग में बड़े पैमाने पर निरीक्षण अभियान शुरू करके बिक्री दमन और कर चोरी में शामिल करदाताओं के खिलाफ अपने प्रवर्तन प्रयासों को तेज कर दिया है।

बिजनेस इंटेलिजेंस एंड फॉड एनालिटिक्स (बीआईएफए), ई-वे बिल पोर्टल, फील्ड प्रवर्तन टीमों जैसे उन्नत एआई उपकरणों के माध्यम से उत्पन्न खुफिया इनपुट, विभाग के विभिन्न विंगों से प्राप्त जानकारी और व्यापक करदाता जांच के आधार पर विभाग ने अतिरिक्त आयुक्त राज्य कर (प्रशासन और प्रवर्तन) कश्मीर परवेज अहमद रैना की देखरेख में घाटी के श्रीनगर, बडगाम और अनंतनाग जिलों में अपनी तरह का पहला निरीक्षण, तलाशी और जब्ती अभियान चलाया।

इस अभियान का उद्देश्य राज्य के खजाने के राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), जानबूझकर कर चोरी, कर धोखाधड़ी, फर्जी चालान और जीएसटी प्रावधानों का पालन न करने सहित धोखाधड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

राज्य कर अधिकारियों के नेतृत्व में अपर आयुक्त द्वारा गठित 70 से अधिक अधिकारियों की आठ टीमों ने श्रीनगर, बडगाम और अनंतनाग में कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों का एक साथ निरीक्षण किया जिसमें जीएसटी उल्लंघन का पता लगाने के लिए दस्तावेजों, स्टॉक रजिस्टरों, बिल बुक और भौतिक स्टॉक की स्थिति की पुष्टि की गई। इस बीच आगे की जांच के लिए कई दस्तावेज जब्त किए गए।

प्रवर्तन कार्रवाई पर बोलते हुए अपर आयुक्त ने कहा कि निरीक्षण हमारी चल रही प्रवर्तन गतिविधियों का हिस्सा हैं।ि

बक्री दमन, फर्जी आईटीसी दावों और धोखाधड़ी वाले चालान में शामिल डीलरों को लक्षित करते हुए डिवीजन भर में इन निरीक्षणों को करने के लिए 70 से अधिक अधिकारियों वाली आठ समर्पित टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्राथमिक उद्देश्य एक निष्पक्ष और पारदर्शी कर वातावरण बनाना है जहां अनुपालन करने वाले करदाताओं की सुरक्षा हो और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि विभाग कर चोरी और धोखाधड़ी गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य कर विभाग ने सभी डीलरों से निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं का पालन करने और कर चोरी से बचने का आग्रह किया है।

व्यवसायों को चालान-आधारित लेन-देन करने, वास्तविक बिक्री की रिपोर्ट करने और दंड और प्रवर्तन कार्रवाई से बचने के लिए अपने मासिक या त्रैमासिक रिटर्न में लागू जीएसटी का भुगतान करने की सलाह दी गई है और इसी के साथ चेतावनी दी गई है कि जीएसटी कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रियलमी ने बहुप्रतीक्षित रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी लॉन्च किए

जम्मू, 19 फरवरी। रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है, उसने गर्व से रियलमी Px सीरीज 5त्न पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है। रियलमी Px प्रो 5G और रियलमी Px& 5G के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूज़र्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है।

रियलमी Px प्रो 5G और रियलमी Px& zG की परफ़ॉर्मेंस को एक नया आयाम देते हुए इसके डिज़ाइन को भी आकर्षक बनाया गया है, जो उन्हें आज के प्रतिस्पर्धी बाजार में अलग बनाता है। रियलमी टेक्नोलॉजी में अग्रसर होने की प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए, दोनों डिवाइस शानदार कारीगरी, अत्याधुनिक फीचर्स और बेजोड़ मजबूती के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी प्रेमियों की जरूरतों को पूरा करती हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि, हमें रियलमी Px प्रो 5G और रियलमी Px× 5G पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूज़र-केंद्रित डिज़ाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

रियलमी Px प्रो 5G, अपने लुभावने रंग बदलने वाली फाइबर और स्नैपड्रैगन 7s जेन 3 चिपसेट के साथ एक अद्वितीय और शानदार अनुभव देता है। रियलमी Px× 5G, अपनी विशाल बैटरी और उच्चतम स्तर की वाटरप्रूफ़ क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों को सहने के लिए बनाया गया है। दोनों डिवाइस बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, शानदार दृश्य और लम्बे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसीलिए यह हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श विकल्प हैं।